RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 129 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,गुरूवार, 05 नवम्बर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

▶ मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला, सीडीएस सुब्रमणि ने की घोषणा

अग्निवीरों को बढ़े हुए वेतन के साथ दो साल का दिया गया एक्सटेंशन

25% को मेरिट के आधार पर नियमित सेवा में लिया जाएगा, 31 दिसंबर तक 18,300 का कार्यकाल पूरा होगा, तीनों सेनाओं में 3.18 लाख अग्निवीर

● नई दिल्ली



केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में भारतीय सशस्त्र बलों में अग्निवीर के रूप में सेवा दे रहे युवाओं के लिए बड़ा फैसला किया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने अग्निवीरों के सेवा कार्यकाल में दो साल की बढ़ोतरी की घोषणा की है।

इस बदलाव के तहत अग्निवीरों को चार साल के निर्धारित कार्यकाल के बजाय कुल छह साल तक सेवा देने का अवसर मिलेगा। छह साल बाद भी सेना में नौकरी करने के इच्छुक अग्निवीरों को चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। फिलहाल तीनों सेनाओं में करीब 3.18 लाख अग्निवीर सेवा दे रहे हैं। सीडीएस एनएस राजा सुब्रमणि ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि 14 जून 2022 में यह योजना आई थी। तब अग्निवीरों के प्रदर्शन के सतत आकलन की बात कही गई थी। अग्निवीरों के पहले बैच के चार वर्ष पूर्ण होने वाले हैं। अग्निवीरों के बारे में सकारात्मक फीडबैक मिला है। 25 फीसदी अग्निवीरों को नियमित सशस्त्र बलों में शामिल किया जाएगा।

क्या अब सभी अग्निवीर छह साल सेना में रहेंगे

नई व्यवस्था के मुताबिक, चार साल पूरे करने वाले शेष 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा अवसर दिया जाएगा। यह स्पष्ट नहीं है कि सभी अग्निवीरों के लिए यह विस्तार अनिवार्य होगा या इसके लिए अलग शर्तें लागू होंगी। सीडीएस के ऐलान के मुताबिक, अतिरिक्त दो साल की सेवा पूरी करने के बाद नियमित सैनिक बनने का अवसर मिलेगा। लेकिन चयन मेरिट और प्रदर्शन के आकलन के आधार पर होगा। सभी को स्थायी नौकरी की गारंटी नहीं दी गई है। अब अग्निवीर भर्ती में लिखित परीक्षा पहले होगी और फिजिकल टेस्ट बाद में कराया जाएगा। पहले चयन प्रक्रिया में फिजिकल टेस्ट लिखित परीक्षा से पहले होता था। सीडीएस ने सेवा के दौरान प्राप्त प्रशिक्षण और अनुभव के आधार पर स्किल सर्टिफिकेट देने की जानकारी दी है। इससे अग्निवीरों के सैन्य प्रशिक्षण और कौशल को औपचारिक मान्यता मिलेगी।

यौन शोषण-रेप केसों के जल्द निपटारे के लिए 850 फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनेंगे

कैबिनेट बैठक में यौन शोषण-रेप केसों के जल्द निपटारे के लिए 850 फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि बिजली स्टोर करने के लिए कैबिनेट ने 92 गीगावाट-घंटे क्षमता वाली ग्रिड स्केल एनर्जी स्टोरेज कैपेसिटी योजना के लिए 14,500 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी है। इसके अलावा डेटा कलेक्शन सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए 4,371 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी गई है। साथ ही क्रिटिकल खनिजों की प्रोसेसिंग के लिए भी एक योजना स्वीकृत की गई है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 92 जीडब्ल्यूएच ग्रिड स्केल एनर्जी स्टोरेज कैपेसिटी योजना को मंजूरी देने का उद्देश्य बिजली को बड़े पैमाने पर स्टोर करना है, ताकि जरूरत के समय उसका इस्तेमाल किया जा सके। इससे सौर और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा का बेहतर उपयोग हो सकेगा। उन्होंने आगे कहा- एनर्जी स्टोरेज से बिजली ट्रांसमिशन लाइनों की क्षमता का भी बेहतर इस्तेमाल होगा।

क्रिटिकल खनिजों की प्रोसेसिंग को मंजूरी

लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा में नड्डा ने साधा निशाना

राहुल बाबा कांग्रेस के अबोध बालक ईवीएम की चिंता छोड़ आत्मचिंतन करें

चुनाव आयोग और लोकतंत्र की साख को नुकसान पहुंचा रहा विपक्ष

● भोपाल



केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के अबोध बालक राहुल बाबा को ईवीएम की चिंता छोड़कर आत्मचिंतन करना चाहिए। प्रधानमंत्री देश की 140 करोड़ जनता के दिलों में बसते हैं। कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता भारत के लोकतंत्र और निर्वाचन आयोग की दुनियाभर में बनी साख को तार-तार करने का प्रयास कर रहे हैं।

बुधवार को भोपाल में भाजपा की ओर से आयोजित लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा के समापन पर अटल पथ पर सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कांग्रेस के इतिहास और आपातकाल का जिक्र कर विपक्ष को घेरा। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस किस मुंह से लोकतंत्र की रक्षा की बात करती है। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में 90 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया।

सीएम बोले, संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रहे राहुल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस का एक परिवार सत्ता के बिना रह नहीं पाता। जब भी कांग्रेस को सत्ता नहीं मिलती, वह देश को अस्थिर करने का प्रयास करती है। राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की आड़ में अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास कर रहे हैं। लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं का मजाक बनाने वाले लोग आज सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग पर सवाल उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब-जब न्यायालय ने कांग्रेस के खिलाफ निर्णय दिए, तब-तब कांग्रेस ने न्यायाधीशों और न्यायपालिका पर सवाल उठाए। आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने निर्वाचन आयोग के पूर्व प्रमुख टीएन शेषन के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि उस समय भी आयोग की व्यवस्था में हस्तक्षेप और उसके अधिकार सीमित करने के प्रयास किए गए थे। उन्होंने बदरुल इस्लाम का उदाहरण देते हुए कांग्रेस के शासनकाल में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति उसके रवैये पर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के इन प्रयासों को देश की जनता समझ चुकी है।

दिवाली पर झटका

अमूल के घी और मक्खन 50 रुपये तक हुए महंगे



नई दिल्ली, आरएनएन। दिवाली से ठीक पहले देश में डेयरी सेक्टर की बड़ी कंपनी अमूल ने अपने मिल्क प्रोडक्ट्स की कीमतों में तगड़ी बढ़ोतरी का झटका दिया है। फेस्टिव डिमांड बढ़ने और कई मार्केट में सप्लाई की कमी की खबर के बीच अमूल ने अपना घी और मक्खन महंगा कर दिया है।

अमूल की ओर से कीमतों में की गई इस बढ़ोतरी से त्योहारों पर घर का खर्चे बढ़ने वाला है। अमूल ने अपने सामानों के दाम ऐसे समय में बढ़ाए हैं, जबकि त्योहारों पर लोग अपने घर में इस्तेमाल होने वाले डेयरी प्रोडक्ट्स की जमकर खरीदारी करते हैं। गुजरात और राजस्थान में ब्रांडेड घी की बढ़ती डिमांड के बीच कीमतों में यह चेंज किया गया है।

ट्रम्प दोनों सदनों में मिडटर्म चुनाव हारे, डेमोक्रेट्स को मिला बहुमत

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 231 सीटें जबकि ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 144 सीटें जीतीं

● वाशिंगटन



अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को हार मिली है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है।

वहीं, मिशिगन में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद ने जीत हासिल की। इसके साथ ही वह अमेरिकी इतिहास में सीनेटर चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं। ट्रम्प ने अब्दुल को खुले मंच से जिहादी कहा था। 25 अक्टूबर को मिशिगन में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रम्प ने कहा था, मैं यहां एक जिहादी और मुस्लिम ब्रदरहुड के सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोकने आया हूं। ट्रम्प ने अब्दुल पर आतंकियों का साथ देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि अगर अब्दुल अल-सैयद सीनेटर बनते हैं, तो उन्हें संसद में जाने से पहले मेटल डिटेक्टर से गुजरना चाहिए। उन्होंने 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों का जिक्र करते हुए अल-सैयद की तुलना विमान हाईजैक करने वाले आतंकियों से भी की। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं।

कर्नाटक के दामाद हैं अब्दुल अल सैयद

अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बनने जा रहे अब्दुल अल सैयद का निकाह कर्नाटक की सारा जुकाकू से हुआ है। डेमोक्रेट अब्दुल अल-सैयद ने मिडटर्म चुनावों में मिशिगन सीनेट सीट जीतकर इतिहास रच दिया है। उनकी पत्नी, डॉ. सारा जुकाकू पूर्व मैसूर राज्य सरकार के एक पूर्व मंत्री की पोती हैं। सारा का परिवार कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल से ताल्लुक रखता है, जो मंगलुरु से लगभग 140 किमी उत्तर में स्थित एक शहर है। उनके दादा, जे.एच. शम्सुद्दीन जुकाकू, एक जाने-माने वकील, शिक्षाविद और राजनेता थे।

आपने रॉन्ग नंबर मिलाया, जाओ प्रोटेस्ट करो...

नई दिल्ली, आरएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों को समय-समय पर बदलने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आप गलत नंबर डायल कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी का अच्छा मौसम है, आप भी ऐसा कर सकते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में रोटेशन की व्यवस्था लागू करना विधायिका का काम है, न्यायपालिका का नहीं। चीफ जस्टिस की पीठ एससी-एसटी आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में लंबे समय से रोटेशन नहीं किए जाने के खिलाफ दाखिल अपील पर सुनवाई कर रही थी।

आरक्षित सीटों के रोटेशन की मांग वाली याचिका खारिज

दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकना गलत

नई दिल्ली, आरएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने दो से ज्यादा बच्चे होने पर स्थानीय निकायों का चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानूनों पर अहम टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि साल 2003 में भारत की कुल प्रजनन दर 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। जबकि आबादी को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक स्थिर रखने के लिए यह दर 2.1 होनी चाहिए। ऐसे में दो बच्चों की सीमा तय करने वाले कानून अब अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं। इन कानूनों पर दोबारा विचार करने की जरूरत है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में 2003 के जावेद बनाम हरियाणा राज्य फैसले को बड़ी बेंच के पास भेज दिया है। उस फैसले में बेंच ने हरियाणा के उस कानून को सही ठहराया था, जिसके तहत दो से ज्यादा जीवित बच्चे होने पर कोई व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ सकता था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इन कानूनों की प्रासंगिकता अब देश में खत्म हो गई

एक्ट्रेस के कपड़ों पर सवाल उठाने वाले मौलाना अब खुद गंभीर आरोपों में अरेस्ट

● तिरुवनंतपुरम

केरल के इस्लामिक गुरु मुहम्मद नियास जुहारी, जिन्हें उस्ताद मुहम्मद नियास के नाम से भी जाना जाता है, गिरफ्तार हो गए हैं। उन पर 16 साल की नाबालिग लड़की के कथित यौन शोषण का आरोप है। पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज इस मामले में गिरफ्तारी ऐसे वक्त हुई है, जब मौलाना हाल ही में मलयालम एक्ट्रेस नाजरिया नाजिम के कपड़ों पर टिप्पणी करके सुर्खियों में आए थे। दरअसल, दुबई में एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान नाजरिया की ड्रेस को लेकर मौलाना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। 28 अक्टूबर को हुए कार्यक्रम में एक्ट्रेस अपनी तमिल फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने पीले रंग की ऑफ-शोल्डर ड्रेस पहनी थी। नाजरिया अभिनेता फहद फासिल की पत्नी हैं। वायरल वीडियो में मौलाना नाजरिया को मुस्लिम फिल्म एक्ट्रेस बताते हुए उनके पहनावे को अनुचित करार देते नजर आए। उन्होंने एक्ट्रेस के पति और फिल्म इंडस्ट्री से उनके जुड़ाव पर भी टिप्पणी की। इंस्टाग्राम पर रील बनाकर जुहारी ने सवाल उठाया कि आखिर एक्ट्रेस के धार्मिक आचरण का क्या मतलब है? उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को धार्मिक बातें समझाने की तुलना ऐसे शख्स को समझाने से की, जो नशे में धुत हो और जिसे शराब पीने से पहले 'बिस्मिल्लाह' पढ़ने की सलाह दी जा रही हो।

सेना के चिकित्सा शिविर में 365 की आंखों की सर्जरी

नईदिल्ली, आरएनएन। सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा ने ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में तीन दिनी चिकित्सा शिविर लगाकर 4,000 मरीजों का इलाज किया और 365 लोगों की आंखों की रोशनी लौटाने के लिए सर्जरी की। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दो नवंबर को शुरू हुए इस शिविर में मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं मुफ्त उपलब्ध करायी गई। यह शिविर चिकित्सा सेवा के ऑपरेशन दृष्टि का 12वां आयोजन था। इसमें नेत्र रोग, हृदय रोग, गुर्दा रोग, त्वचा रोग, दंत चिकित्सा और सामान्य चिकित्सा के विशेषज्ञों ने मरीजों का इलाज किया। मरीजों की जांच, उपचार के साथ जरूरत पड़ने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए दूसरे केंद्रों पर भेजने की व्यवस्था भी की गई।

रेलवे बोर्ड का आरपीएफ की सुरक्षा तैनाती में बड़ा बदलाव

● नई दिल्ली

रेलवे बोर्ड ने आरपीएफ की सुरक्षा तैनाती व्यवस्था में बड़े बदलाव करते हुए आदेश दिया है कि संवेदनशील रेलवे स्थलों वाले क्षेत्रों में कर्मियों की तैनाती एक साल के लिए होगी और जोखिम के आधार पर वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी हर साल अनिवार्य रूप से क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे।

बोर्ड ने यह निर्णय संवेदनशील रेलवे स्थलों पर इलेक्ट्रॉनिक जासूसी की आशंका से जुड़ी घटनाओं की खबरों के मद्देनजर लिया है। इस निर्देश का उद्देश्य ड्यूटी के स्थानों में बार-बार बदलाव, संवेदनशील रेलवे प्रतिष्ठानों की पर्याप्त जानकारी न होने और पूरे रेलवे नेटवर्क में संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने में आने वाली कठिनाइयों के कारण पैदा हुई सुरक्षा संबंधी कमियों को दूर करना है।

आरपीएफ की डीजी सोनाली मिश्रा की ओर से जारी इस निर्देश में विशेष रूप से अमृतसर-मानावाला रेलवे खंड, सोनीपत और दिल्ली कैंट में ओवरहेड उपकरण (ओएचई) के खंभों पर बिना अनुमति लगाए गए सौर ऊर्जा से चलने वाले, सिम कार्ड युक्त सीसीटीवी कैमरों के जरिये इलेक्ट्रॉनिक जासूसी की कथित घटनाओं का उल्लेख किया है।

विवादित बोल सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज काटजू बोले, इन्हें वोट देने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए

भारत के 95 फीसदी लोगों के सिर में गोबर भरा है

● नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने भारत के 95 फीसदी लोगों को जाहिल बताते हुए कहा है कि इनके सिर में गोबर भरा हुआ है। इनको वोट देने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। इनके सिर में जातिवाद-सांप्रदायिकता भरी हुई है। वह महंगाई, बेरोजगारी आदि जैसे मुद्दे नहीं देखता और भेड़-बकरी जैसे जातिवाद-सांप्रदायिकता पर वोट डाल देता है।

काटजू ने एक यूट्यूब चैनल से बात करते हुए कहा कि वोट चोरी पर मुझसे सवाल किया गया तो मैंने कहा कि और वोट चोरी होनी चाहिए। तुम लोग वोट देने लायक नहीं हो। 95 फीसदी वोटर्स मेरिट नहीं देखते, वे उम्मीदवारों की जाति पर वोट डालते हैं। तुम वोट डालने के लायक हो? 95 फीसदी लोगों के दिमाग में गोबर भरा है। इनको वोट देने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। मैं तो कहता हूं कि और वोट चोरी होना चाहिए। 90 फीसदी वोटर्स वोट देने लायक नहीं।

उन्होंने और आगे कहा कि इस देश में लोकतंत्र नहीं चल सकता है। उससे जातिवाद और सांप्रदायिकता और बढ़ेगी। देश में कहीं न कहीं चुनाव होता रहता है। हमेशा चुनाव का माहौल बना रहता है। हमारी पार्टियां चुनाव के समय हिंदू-मुस्लिम नफरत फैलाती हैं। लोकतंत्र भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है। यह भारत का सबसे मुख्य दुश्मन जातिवाद और सांप्रदायिकता, उसको और मजबूत करता है और बढ़ावा देता है।

पीस बॉन्ड भरने के साथ ही सीजेपी खत्म हो गई, लोगों का भरोसा टूटा

इसके अलावा, काटजू ने सीजेपी प्रोटेस्ट को लेकर उसके नेतृत्व पर भी सवाल उठाए। अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका की तरफ से पीस बॉन्ड साइन किए जाने की आलोचना की। सीजेपी के प्रोटेस्ट पर पूर्व जज काटजू ने कहा कि जिन लोगों ने पीस बॉन्ड भरा था, उनका करियर खत्म हो गया। जनता इन पर विश्वास नहीं करेगी, क्योंकि ये भगौड़े हैं। इनकी इमेज भगौड़े की बन गई है। जब अंग्रेजों का शासन था, तब अधिकारी जिन्हें गिरफ्तार करते थे, उनसे माफी मांगने को कहते थे। जो माफी मांगते थे, उनका करियर खत्म हो जाता था। पीस बॉन्ड भरने का क्या मतलब है? इसका मतलब यह है कि आपने कह दिया कि अब हम कोई आंदोलन नहीं करेंगे। अगर आंदोलन किया तो पुलिस कहेगी कि आप शांति भंग कर रहे हैं, अपने पीस बॉन्ड का उल्लंघन कर रहे हैं। अभी तो सौरव दास और आशुतोष रांका तो हफ्तेभर के लिए जेल में थे। लेकिन अब लंबे पीरियड के लिए जेल जाएंगे। ये सब अब जेल जाने से डरते हैं। सीजेपी खत्म है अब। रीढ़ की हड्डी टूट गई।

होर्मुज से भारतीय जहाजों को गुजरने देगा ईरान

तेहरान

ईरान ने करीब 8 महीने बाद भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की छूट दे दी है। अब भारतीय जहाज इस रास्ते से बिना किसी रोक-टोक के गुजर सकेंगे। ईरान ने चीन, इराक और कतर के जहाजों को भी यह छूट दी है। 28 फरवरी से इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही पर पाबंदियां लगी हुई थीं। भारत अपने कुल कच्चे तेल आयात का करीब 40' इसी रास्ते से मंगाता है।

ट्रम्प को छकाने वाले अमेरिका के अब्दुल ने रचा इतिहास

मुस्लिम, मिस्र से रिश्ता राजनीति में बड़ा मुकाम

● वाशिंगटन



- अब्दुल अल सैयद ने मिशिगन से चुनाव जीतकर इतिहास रचा
- गाजा में इजरायल के सैन्य अभियान को बता चुके हैं 'नरसंहार'
- ट्रम्प ने अल-सैयद को कहा था जिहादी

अब्दुल अल सैयद ने मिशिगन से चुनाव जीतकर पहला शब्द कहा- हबीबी। इसके बाद उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वांस की क्लास लगाई। अमेरिका का पहला सीनेटर इलेक्ट बनने के बाद अब्दुल अल सैयद ने मिशीगन में अपने समर्थकों को संबोधित किया और कहा- जेडी, हबीबी (मेरे प्यारे दोस्त)। विडंबना देखिए कि जनवरी में संविधान के मुताबिक आपको ही मुझे सीनेटर पद की शपथ दिलानी होगी। यह तंज उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पर कसा. दरअसल जनवरी में नए सीनेटरों को शपथ दिलाने की संवैधानिक जिम्मेदारी उपराष्ट्रपति की होती है, जो सीनेट के अध्यक्ष भी होते हैं। इसके बाद अब्दुल अल सैयद की बारी ट्रम्प को रोस्ट करने की थी। उन्होंने कहा कि ट्रम्प को मेरा नाम बोलने में परेशानी होती है, इसलिए जनवरी में शपथ के बाद वह उन्हें सिर्फ सीनेटर कहकर बुला सकते हैं। सीनेटर अब्दुल अल सैयद ने कहा कि मुझे पता है कि आपको मेरा नाम लेने में दिक्कत होती है, इसलिए जेडी के शपथ लेने के बाद, आप मुझे सीनेटर कह सकते हैं। मिडटर्म चुनाव के दौरान ट्रम्प और जेडी वांस दोनों ने ही अब्दुल अल सैयद की मुस्लिम पहचान, राजनीतिक सोच और विचारधारा पर सवाल उठाए थे। ट्रम्प ने तो अल-सईद के नाम का मजाक उड़ाया और उन्हें रेडिकल जिहादी तक कहा था।

अब्दुल अल-सईद: जीत से ज्यादा उनकी धार्मिक पहचान को लेकर

अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में अब्दुल अल-सईद ऐसा नाम रहा, जिसकी चर्चा उसकी राजनीतिक जीत से ज्यादा उसकी धार्मिक पहचान को लेकर हुई। मिशिगन से अमेरिकी सीनेट का चुनाव जीत इतिहास रचा। उनका जन्म 31 अक्टूबर 1984 को अमेरिका के मिशिगन राज्य के रोचेस्टर हिल्स में हुआ था। अब्दुल ने मिशिगन यूनिवर्सिटी से बायोलॉजी और पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई की। इसके बाद उन्हें प्रतिष्ठित रोड्स स्कॉलरशिप मिली और उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पब्लिक हेल्थ में डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की। उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से एमडी भी की।

मुस्लिम पहचान, 'जिहादी नाम': राजनीति से कॉरपोरेट पैसे का प्रभाव खत्म करना और आम लोगों की जेब में पैसा बचाना। उन्होंने सभी अमेरिकियों के लिए सरकारी स्वास्थ्य बीमा यानी मेडिकेयर फॉर आल की वकालत की। इसके अलावा उन्होंने इजरायल को यूएस सैन्य सहायता बंद करने, अमीरों पर अधिक टैक्स लगाने और स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ता बनाने की मांग उठाई। ट्रम्प ने अल-सैयद को जिहादी कहा था और मिशिगन के मतदाताओं से उनकी उम्मीदवारी को खारिज करने की अपील करते हुए 11 सितंबर के हमलों का जिक्र किया था।

चुनाव में भारतवंशियों ने बनाई ट्रम्प की पार्टी से दूरी

● वाशिंगटन



यूएस की राजनीति में भारतीय अमेरिकियों और भारतवंशियों को यूं तो पारंपरिक तौर पर डेमोक्रेटिक पार्टी का वोटर माना जाता रहा है। रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, कमला हैरिस जैसे भारतीय मूल के प्रतिनिधियों के नाम हों या कैपिटल हिल पर समोसा कॉकस जैसे समूह के जरिए अपना दबदबा दर्ज कराने की कोशिश, कई बड़े पदों की रेस में उभरे भारतीय नाम अधिकतर डेमोक्रेट पार्टी से खेमे से ही आते रहे हैं। लेकिन 2016 में राष्ट्रपति ट्रम्प के पिछले कार्यकाल ने इस वोट बैंक में कुछ सेंध लगाई थी।

भारतीय मूल का यूएस वोटरों के रिपब्लिकन पार्टी की तरफ रुझान और झुकाव में बड़ा बदलाव भी देखने को मिला था। भारत के प्रति उनके दोस्ताना रवैये, नीतियों पर समर्थन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मित्रता को इस बदलाव की बड़ी वजह भी माना गया। यही वजह है कि रो खन्ना, प्रमिला जयपाल, सुहास सुब्रमण्यम जैसे उम्मीदवार अपनी सीटें फिर से जीत गए तो वहीं पिया डांडिया और अमीष शाह जैसे प्रत्याशियों को भी कामयाबी हासिल हुई। जबकि धनबल और राष्ट्रपति ट्रम्प के समर्थन के बावजूद भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ओहायो की गवर्नर पद रेस एमी एक्टन से हार गए।

इधर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हार, उधर अमेरिकी मार्केट में जोरदार तेजी के सिग्नल

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के नतीजों के बाद शेयर बाजारों में एक अलग ही उत्साह दिखाई दे रहा है। अमेरिकी बाजार में भी शानदार तेजी के संकेत दिखाई दे रहे हैं। साथ ही एशियाई बाजार में भी अच्छी तेजी रही। हालांकि, भारतीय बाजार में यह तेजी सिर्फ अमेरिकी मिडटर्म चुनावों को नहीं माना जा सकता है, क्योंकि यहां पर एलजीसीजी और कच्चे तेल के दाम में गिरावट का असर भी है। दरअसल, अमेरिका के 2026 मिडटर्म चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगा है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी संसद के दोनों सदनों- सीनेट और प्रतिनिधि सभा, में बहुमत हासिल कर लिया है। इसे ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ जनता की नाराजगी के तौर पर देखा जा रहा है। इस बार, डेमोक्रेट्स 435 सीटों वाले यूएस हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स में 224 सीटों और सीनेट में 54 सीटों पर आगे चल रहे थे। यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी से हैं। अब इसी नतीजों को लेकर अमेरिकी बाजार में भी तेजी के संकेत दिखाई दे रहे हैं। डाऊ फ्यूचर में गजब की तेजी देखी जा रही है, जो 770 अंक या 1.49 फीसदी चढ़कर 52,557 पर कारोबार कर रहा है. हालांकि, नतीजे आने से पहले यही डाऊ फ्यूचर एक फीसदी गिरा था।

आईआरजीसी ने रणनीतिक समुद्री मार्ग पर लिया बड़ा फैसला

भारत समेत चार देशों के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की छूट

कमर्शियल शिप्स को समुद्री मार्ग पर लागू प्रतिबंधों से छूट देने का फैसला

● तेहरान

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर राहत भरी खबर है। ईरान ने इस रास्ते से होकर गुजरने वाले भारतीय जहाजों को छूट देने का फैसला किया है। ईरान ने भारत के साथ ही चीन, इराक और कतर के कमर्शियल शिप्स को भी इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर लागू प्रतिबंधों से छूट देने का फैसला किया है।

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अमीर हयात-मोगद्दम ने यह जानकारी दी है। एक इंटरव्यू में हयात-मोगद्दाम ने कहा कि भारत, चीन, इराक और कतर के जहाजों को अभी ट्रांजिट पाबंदियों से छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि हमने अभी भारत, चीन, इराक और कतर को होर्मुज स्ट्रेट में ट्रांज़िट पाबंदियों से छूट दी है। इन देशों के जहाज़ आसानी से गुज़रते हैं, और अमेरिकी भी उन्हें रोकते नहीं हैं।

इन जहाजों को क्यों दी गई छूट

उन्होंने कहा कि ये छूट ईरान की डिप्लोमैटिक और इकोनॉमिक जरूरतों से जुड़ी हैं। भारतीय जहाजों के लिए यह इंतज़ाम भारत से दवाओं के इम्पोर्ट को आसान बनाने के लिए किया गया था, जबकि चीनी जहाजों के लिए छूट का मकसद बीजिंग का पॉलिटिकल सपोर्ट हासिल करना था।



भारत के लिए क्यों जरूरी है होर्मुज स्ट्रेट

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज भारत की एनर्जी सप्लाई के लिए एक अहम मार्ग है। भारत अपने इस्तेमाल का लगभग 90 प्रतिशत कच्चा तेल इंपोर्ट करता है, और अभी लगभग 30 प्रतिशत इंपोर्ट होर्मुज से होता है। पहले भारत इस रास्ते पर बहुत ज्यादा निर्भर था। एक वक्त भारत का लगभग 70 प्रतिशथ कच्चा तेल इस रास्ते से होकर जाता था। लेकिन बाद में भारत ने अपने सप्लाई सोर्स को अलग-अलग किया है। फरवरी 2026 में ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद से ईरान ने इस अहम समुद्री मार्ग से जहाजों के गुजरने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन (आईएमओ) के मुताबिक, संघर्ष शुरू होने और अगस्त के बीच मर्चेंट जहाजों पर कम से कम 70 हमले हुए, जिनमें 19 नाविक मारे गए। इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि चाहे कोई और युद्ध छिड़े या न छिड़े, ईरान की नीतियां वैसी ही बनी रहेंगी।

ईरान भारतीय व चीनी जहाजों से ट्रांजिट फीस लेता था

हयात-मोघद्दाम ने कहा कि ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का इस्तेमाल करने वाले भारतीय और चीनी जहाजों से ट्रांजिट फीस लेता है। हालांकि, कतर के जहाजों को बिना चार्ज दिए गुजरने की इजाज़त है। ईरान की ओर से यह ऐसे समय में आया है जब इस समुद्री मार्ग से गुजरन को लेकर मर्चेंट शिपिंग पर पाबंदियां लगी हुई हैं। बता दें कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यूरोपियन यूनियन ने कहा कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) नेवी ने एक सिस्टम शुरू किया है, जिसके तहत जहाजों को गुजरने की इजाज़त लेने के लिए अपने कार्गो और डेस्टिनेशन के बारे में जानकारी के साथ-साथ पहचान की जानकारी भी देनी होगी।

एक्ट्रेस के कपड़ों पर सवाल उठाने वाले मौलाना अब खुद गंभीर आरोपों में अरेस्ट

● तिरुवनंतपुरम

केरल के इस्लामिक गुरु मुहम्मद नियास जुहारी, जिन्हें उस्ताद मुहम्मद नियास के नाम से भी जाना जाता है, गिरफ्तार हो गए हैं। उन पर 16 साल की नाबालिग लड़की के कथित यौन शोषण का आरोप है। पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज इस मामले में गिरफ्तारी ऐसे वक्त हुई है, जब मौलाना हाल ही में मलयालम एक्ट्रेस नाजरिया नाजिम के कपड़ों पर टिप्पणी करके सुर्खियों में आए थे। दरअसल, दुबई में एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान नाजरिया की ड्रेस को लेकर मौलाना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। 28 अक्टूबर को हुए कार्यक्रम में एक्ट्रेस अपनी तमिल फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने पीले रंग की ऑफ-शोल्डर ड्रेस पहनी थी। नाजरिया अभिनेता फहद फासिल की पत्नी हैं। वायरल वीडियो में मौलाना नाजरिया को मुस्लिम फिल्म एक्ट्रेस बताते हुए उनके पहनावे को अनुचित करार देते नजर आए। उन्होंने एक्ट्रेस के पति और फिल्म इंडस्ट्री से उनके जुड़ाव पर भी टिप्पणी की। इंस्टाग्राम पर रील बनाकर जुहारी ने सवाल उठाया कि आखिर एक्ट्रेस के धार्मिक आचरण का क्या मतलब है? उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को धार्मिक बातें समझाने की तुलना ऐसे शख्स को समझाने से की, जो नशे में धुत हो और जिसे शराब पीने से पहले 'बिस्मिल्लाह' पढ़ने की सलाह दी जा रही हो।

स्पेन में ट्रेन हादसे के बाद परिवहन मंत्री का इस्तीफा



मैड्रिड, आरएनएन। स्पेन में भीषण रेल हादसे के छह दिन बाद परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया है। राजधानी मैड्रिड के दक्षिण में 28 अक्टूबर को दो हाई-स्पीड ट्रेनों की टक्कर में 69 लोगों की मौत हो गई थी। यह इस साल स्पेन के हाई-स्पीड रेल नेटवर्क पर हुआ दूसरा बड़ा हादसा था। लगातार दो भीषण दुर्घटनाओं के बाद रेल सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच परिवहन मंत्री ने इस्तीफे का फैसला किया है। परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने मंगलवार को संसद में कई घंटों तक चली सुनवाई के बाद अपने पद से हटने की घोषणा की। उन्होंने सांसदों के सामने रेल हादसे से जुड़ी परिस्थितियों और सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। पुएंते ने सांसदों से कहा किस्पेन जैसे देश में कोई परिवहन मंत्री एक साल से भी कम समय में दो दुर्घटनाओं के बाद अपने पद पर बना नहीं रह सकता। यह राजनीतिक गरिमा, सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता और पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता का सवाल है।

सेना के चिकित्सा शिविर में 365 की आंखों की सर्जरी

नईदिल्ली, आरएनएन। सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा ने ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में तीन दिनी चिकित्सा शिविर लगाकर 4,000 मरीजों का इलाज किया और 365 लोगों की आंखों की रोशनी लौटाने के लिए सर्जरी की। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दो नवंबर को शुरू हुए इस शिविर में मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं मुफ्त उपलब्ध करायी गई। यह शिविर चिकित्सा सेवा के ऑपरेशन दृष्टि का 12वां आयोजन था। इसमें नेत्र रोग, हृदय रोग, गुर्दा रोग, त्वचा रोग, दंत चिकित्सा और सामान्य चिकित्सा के विशेषज्ञों ने मरीजों का इलाज किया। मरीजों की जांच, उपचार के साथ जरूरत पड़ने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए दूसरे केंद्रों पर भेजने की व्यवस्था भी की गई।

रेलवे बोर्ड का आरपीएफ की सुरक्षा तैनाती में बड़ा बदलाव

● नई दिल्ली

रेलवे बोर्ड ने आरपीएफ की सुरक्षा तैनाती व्यवस्था में बड़े बदलाव करते हुए आदेश दिया है कि संवेदनशील रेलवे स्थलों वाले क्षेत्रों में कर्मियों की तैनाती एक साल के लिए होगी और जोखिम के आधार पर वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी हर साल अनिवार्य रूप से क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे।

बोर्ड ने यह निर्णय संवेदनशील रेलवे स्थलों पर इलेक्ट्रॉनिक जासूसी की आशंका से जुड़ी घटनाओं की खबरों के मद्देनजर लिया है। इस निर्देश का उद्देश्य ड्यूटी के स्थानों में बार-बार बदलाव, संवेदनशील रेलवे प्रतिष्ठानों की पर्याप्त जानकारी न होने और पूरे रेलवे नेटवर्क में संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने में आने वाली कठिनाइयों के कारण पैदा हुई सुरक्षा संबंधी कमियों को दूर करना है।

आरपीएफ की डीजी सोनाली मिश्रा की ओर से जारी इस निर्देश में विशेष रूप से अमृतसर-मानावाला रेलवे खंड, सोनीपत और दिल्ली कैंट में ओवरहेड उपकरण (ओएचई) के खंभों पर बिना अनुमति लगाए गए सौर ऊर्जा से चलने वाले, सिम कार्ड युक्त सीसीटीवी कैमरों के जरिये इलेक्ट्रॉनिक जासूसी की कथित घटनाओं का उल्लेख किया है।

जनवरी से रेडीमेड गारमेंट श्रमिकों को मिलेगा बढ़ा वेतन

ढाका, आरएनएएन। बांग्लादेश के रेडीमेड गारमेंट (आरएमजी) क्षेत्र के श्रमिकों को जनवरी 2027 से बढ़ा हुआ वेतन मिलने लगेगा। इसके लिए नया वेतन ढांचा दिसंबर में लागू किया जाएगा। पुनर्गठित न्यूनतम वेतन बोर्ड की बुधवार को हुई पहली बैठक के बाद नियोक्ता प्रतिनिधि एबीएम शम्सुद्दीन और श्रमिक प्रतिनिधि बाबुल अख्तर ने संयुक्त रूप से यह समयसीमा घोषित की।

आईआईटी बीएचयू की क्यूएस रैंकिंग में 18 पायदान की छलांग

● वाराणसी

आईआईटी बीएचयू ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स : एशिया 2027 में 18 पायदान की छलांग लगाते हुए 219वां स्थान हासिल किया है। पिछले वर्ष संस्थान 237वें स्थान पर था। वहीं, क्यूएस दक्षिण एशिया रैंकिंग 2026 में भी संस्थान ने 11 स्थान का सुधार करते हुए 38वां स्थान प्राप्त किया है। इस वर्ष क्यूएस एशिया रैंकिंग में एशिया के 1,722 उच्च शिक्षण संस्थानों को शामिल किया गया, जिनमें भारत के 325 संस्थान हैं। आईआईटी बीएचयू ने अपनी रैंकिंग में सुधार दर्ज किया है।

57 स्थानों की बढ़त के साथ 234वां स्थान

संस्थान रैंकिंग समिति के उपाध्यक्ष प्रो. विकास कुमार दुबे ने बताया कि प्रति संकाय शोध पत्र के मानक में संस्थान तीन स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंचा है। नियोक्ता प्रतिष्ठा में 50 स्थानों का सुधार करते हुए 163वां और अकादमिक प्रतिष्ठा में 57 स्थानों की बढ़त के साथ 234वां स्थान हासिल किया है।

यूएस एजेंसी का अफसर बता की ठगी

3 फर्जी कॉल सेंटर, 220 लोग, निशाने पर थे 20 लाख अमेरिकी

हैदराबाद, आरएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हैदराबाद जोनल कार्यालय ने मंगलवार को चार आरोपियों हर्षिल नयनभाई रावल, जसवंत सिंह, चेतन मुंजाल और प्रणव पिठाडिया को 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' (पीएमएलए), 2002 की धारा 19(1) के तहत गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी अमेरिका के नागरिकों को निशाना बनाने वाले एक फर्जी कॉल सेंटर घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में की गई है। इन आरोपियों को हैदराबाद के नामपल्ली स्थित पीएमएलए कोर्ट के समक्ष पेश किया गया, जहां कोर्ट ने चारों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपियों ने तीन जगहों पर फर्जी कॉल सेंटर खोल रखा था। उसमें 220 लोग काम कर रहे थे। कॉल सेंटर से अमेरिकन लोगों को यह कह कर फोन किया जाता था कि वे यूएस की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बोल रहे हैं। अमेरिकन लोगों को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर उनसे वसूली की जाती थी।

65 मोबाइल फोन और 13 लैपटॉप, कंप्यूटर किए जब्त

तीन सक्रिय कॉल सेंटर (दो पटियाला में और एक पुणे में) मिले, जहां छापेमारी के समय लगभग 220 लोग काम कर रहे थे। तलाशी के दौरान डिजिटल डिवाइस, नकदी और कुछ रिकॉर्ड जब्त किए गए। अब तक 79 डिजिटल डिवाइसों की फॉरेंसिक जांच पूरी हो चुकी है।

तमिलनाडु के पूर्व मंत्री छह नवं तक न्यायिक हिरासत में

चेन्नई, आरएनएन। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम मामलों की विशेष अदालत ने 100 करोड़ रुपये के स्कूल धोखाधड़ी मामले में पूछताछ के लिए तीन दिन की पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद बुधवार को द्रमुक नेता एवं तमिलनाडु के पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोयामोझी को छह नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

विशेष कोर्ट के जज एलएस सत्यमूर्ति ने अनबिल को कोर्ट में पेश किए जाने के बाद उनकी न्यायिक हिरासत का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने पूर्व मंत्री से पूछा कि क्या उनके साथ उचित व्यवहार किया गया, उनकी पसंद का भोजन और चिकित्सा उपचार दिया गया, जिस पर अनबिल ने सकारात्मक उत्तर दिया।

आज का इतिहास

- 1556- पानीपत के दूसरे युद्ध में मुगल शासक अकबर ने हेमू को हराया।
- 1630- स्पेन और इंग्लैंड के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर।
- 1639- मैसाच्युसेट्स में पहले डाकघर की स्थापना।
- 1678- जर्मनी की विशेष सेना ब्रैंडनबर्गर्स ने स्वीडन में ग्रीफ्सवाल्ड शहर पर क़ब्ज़ा जमाया।
- 1725- स्पेन और आस्ट्रिया ने गुप्त डील पर साइन।
- 1811- स्पेन के खिलाफ अल सल्वाडोर का प्रथम स्वतंत्रता संघर्ष।
- 1854- क्रीमिया के युद्ध में ब्रिटिश और फ्रांस की संयुक्त सेना ने इकेरमान में रूसी सेना को पराजित किया।

खतरा | चीन सरकार ने कंपनियों के लिए जारी की 18 सूत्रीय गाइडलाइंस

चीन ने फैक्ट्रियों में एआई लाने पर लगाया पहरा

● बीजिंग/नई दिल्ली

चीन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से छिनने वाली नौकरियों को बचाने के लिए 18 सूत्रीय प्लान लागू किया है। स्टेट काउंसिल के जनरल ऑफिस ने सभी कंपनियों के लिए सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं। इसके तहत कंपनियों को एआई अपनाने से पहले कर्मचारियों पर पड़ने वाले असर का पूरा असेसमेंट करना होगा।

कंपनियों को पाबंद किया गया है कि वे प्रभावित वर्कर्स को पहले से नोटिस दें। इसके साथ ही उन्हें नए काम की ट्रेनिंग देकर दूसरी जॉब्स में शिफ्ट करने में पूरी मदद करें। सरकार का मकसद देश के ग्रोथ मॉडल को रोजगार के अनुकूल बनाना है ताकि टेक बूम के बीच आम आदमी बेरोजगार न हो। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब फैक्ट्रियों और दफ्तरों में इंसानों की जगह तेजी से ऑटोमेशन ले रहा है।



अनइम्प्लॉयमेंट बफर पीरियड का नया नियम

इस 18 सूत्रीय प्लान का सबसे अहम हिस्सा अनइम्प्लॉयमेंट बफर पीरियड की व्यवस्था है। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने कहा है कि जब भी कोई कंपनी बड़े पैमाने पर एआई सिस्टम लागू करेगी, उसे यह बफर पीरियड देना अनिवार्य होगा। इस दौरान मैनेजमेंट को अपने कर्मचारियों को समय रहते आगाह करना होगा। कंपनी को अचानक किसी को नौकरी से निकालने की इजाजत नहीं होगी। इस पीरियड में कर्मचारियों को नई टेक्नोलॉजी सीखने का मौका दिया जाएगा। उन्हें कंपनी के भीतर ही दूसरे डिपार्टमेंट्स में ट्रांसफर करने की योजना बनानी होगी।

किन सेक्टर्स में एआई लगाने पर रोक

गाइडलाइंस के मुताबिक ज्यादा लेबर वाले सेक्टर्स में एआई लागू करने को लेकर बेहद सतर्क रुख अपनाने को कहा है। टेक्सटाइल, मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन जैसे फील्ड्स में अंधाधुंध ऑटोमेशन पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने कहा है कि इन सेक्टर्स में तकनीक लागू करने की रफ्तार और पैमाना तय होना चाहिए ताकि एक झटके में बड़ी आबादी बेरोजगार न हो जाए। जिन प्रोजेक्ट्स से नौकरियों पर बड़ा असर पड़ सकता है, वहां पहले इम्प्लॉयमेंट रिस्क असेसमेंट कराना होगा। संबंधित सरकारी विभाग इन कंपनियों की पूरी निगरानी करेंगे। इसके उलट खतरनाक काम वाली जगहों और जहां मजदूरों की भारी किल्लत है, वहां एआई को प्राथमिकता देने की छूट दी गई है।

कामगारों की रीस्किलिंग के लिए क्या है सरकारी तैयारी

चीन सरकार ने एआई से पैदा होने वाले नए मौकों के लिए बड़े पैमाने पर रीस्किलिंग का खाका खींचा है। यूनिवर्सिटीज और वोकेशनल कॉलेजों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने पुराने कोर्स तुरंत बदलें। नए सिलेबस में एआई से जुड़े स्पेशलाइजेशन शामिल किए जाएंगे। कॉलेज अब सीधे कॉर्पोरेट कंपनियों से मिलकर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाएंगे। इस ट्रेनिंग का दायरा केवल कॉलेज के छात्रों तक सीमित नहीं रहेगा। प्रवासी मजदूरों, बेरोजगार युवाओं और नौकरी गंवा चुके लोगों के लिए स्पेशल ट्रेनिंग कैंप लगाए जाएंगे। प्राइवेट कंपनियों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे लोगों को डिजिटल स्किल्स सिखाएं।

रैगिंग की शिकायत के लिए केरलम में सिद्धार्थ एप शुरू

● तिरुवनंतपुरम

केरलम में छात्रों को जल्द ही एक ऐसा प्लेटफॉर्म मिलेगा जहां वे अपनी पहचान उजागर किए बिना रैगिंग एवं कैंपस से जुड़ी अन्य शिकायतों की रिपोर्ट कर सकेंगे।

इसके लिए बुधवार को सिद्धार्थ स्टूडेंट वेलफेयर एप का शुभारंभ किया जाएगा। इस ऐप को छात्रों की सुरक्षा को मजबूत करने और रैगिंग की रिपोर्ट करने, मदद मांगने तथा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए एक गोपनीय माध्यम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है। इसके माध्यम से छात्र अपनी पहचान ज़ाहिर किए बिना ऑडियो के रूप में भी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। यह पहल उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छात्रों के कल्याण को बेहतर बनाने और परिसरों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई कई पहलों का हिस्सा है। सीएम वी. डी. सतीशन यहां के सरकारी महिला महाविद्यालय में जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र के पहले उप-केंद्र का उद्घाटन करेंगे।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	पूर्व रात
479=0	348=5
467=7	158=4

www.kalyangame.com

शाहपुरा के लाल सुल्तान खान ने समुद्र में लहराया परचम, मर्चेंट नेवी में बने थर्ड ऑफिसर...

IMU-CET में हासिल की थी ऑल इंडिया सेकंड रैंक

पिता शाहपुरा में चलाते हैं ई-मित्र, माता ने अजमेर में रहकर बच्चों को बनाया काबिल

चेन्नई पोर्ट से साउथ अफ्रीका (केपटाउन) के लिए पहली यात्रा पर हुए रवाना

स्मार्ट हलचल



भीलवाड़ा शाहपुरा। शाहपुरा के एक साधारण लेकिन बेहद प्रतिभाशाली परिवार के होनहार युवक सुल्तान खान पुत्र शब्बीर हुसैन खान ने भारतीय व्यापारिक नौसेना (मर्चेंट नेवी) में थर्ड ऑफिसर बनकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने मैरिटाइम पायलट के तौर पर चेन्नई से अपनी आधिकारिक ड्यूटी जॉइन कर ली है। पद व कार्यभार ग्रहण करते ही वे अपनी पहली समुद्री यात्रा के लिए चेन्नई पोर्ट से साउथ अफ्रीका के केपटाउन के लिए रवाना हो गए हैं।

एक ही छत के नीचे प्रतिभाओं का गढ़ है यह परिवार:

सुल्तान खान का परिवार सीमित संसाधनों के बावजूद प्रतिभाओं की खान है। उनके पिता शब्बीर हुसैन खान शाहपुरा में फुलिया गेट पर एक ई-मित्र संचालक हैं। बच्चों की उच्च शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए उनकी माता ताहिरा बानू बच्चों के साथ अजमेर में रहती हैं, जहाँ वे निवास से ही छोटे पैमाने पर महिलाओं के कपड़ों का व्यवसाय चलाती हैं। माता-पिता के इस कड़े संघर्ष और अभावों को उनके सभी बच्चों ने अपनी मेहनत और कामयाबी से सार्थक किया है:

बड़ी बहन: अजमेर के प्रतिष्ठित मेयो कॉलेज की मयूर शाखा में तैराकी कोच (Swimming Coach) हैं।

छोटी बहन: एडवोकेट मेहर नौशीन ने हाल ही में अपनी एलएलबी (LLB) की पढ़ाई पूरी की है।

छोटे भाई: मोहम्मद रजा खान ने खेल जगत में देश का मान बढ़ाया है। वे जूनियर बास्केटबॉल में देश के लिए गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और स्कूली भारतीय बास्केटबॉल टीम के कप्तान भी रह चुके हैं।

सुल्तान के संघर्ष की शुरुआत में उन्होंने बचपन में मॉडर्न एकेडमी शाहपुरा से अपनी पढ़ाई शुरू करके, एमानुएल मिशन स्कूल शाहपुरा से अपनी कक्षा 7 तक की पढ़ाई पूर्ण की फिर भाई बहनों के साथ उनको पिता ने अजमेर भेज दिया और वहाँ 12वीं तक की पढ़ाई ख्वाजा मॉडल स्कूल से पूरी कर फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स विषयों से 95'अंकों के साथ 12वीं कक्षा में उन्होंने स्कूल टॉप किया और जेईई की कोचिंग के दौरान बी टेक करने के बजाय मर्चेंट नेवी में जाने का फैसला किया। उन्होंने ने वर्ष 2020 में इंडियन मैरिटाइम यूनिवर्सिटी की प्रवेश परीक्षा (IMU-CET) दी थी, जिसमें उन्होंने (AIR) पूरे भारत में दूसरा (wnd) स्थान प्राप्त किया था। हालांकि, कोरोना महामारी के कारण उनका कोर्स एक साल की देरी से शुरू हुआ, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और पिता के पास फीस के पैसे नहीं होने पर भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा शाहपुरा से एजुकेशन लोन लिया और पढ़ाई जारी रखी। उन्होंने 'ग्रेट ईस्टर्न मैरिटाइम यूनिवर्सिटी' लोनावाला, पुणे से 'ष्ठहृस्र डिप्लोमा इन नॉटिकल साइंस' का कोर्स पूरा किया। इसके बाद 18 महीने की कठिन कैडेटशिप (इंटर्नशिप) पूरी की, जहाँ वे 'बेस्ट कैडेट' के रूप में कार्यरत रहे। आखिरकार आईएमयू का फाइनल एग्जाम क्लियर कर उन्होंने नॉटिकल साइंस में बीएससी की डिग्री हासिल कर थर्ड ऑफिसर का प्रतिष्ठित पद प्राप्त किया। मर्चेंट नेवी में थर्ड ऑफिसर (मैरीटाइम पायलट) के रूप में सुल्तान की पहली पोस्टिंग 'जग लीना' (Jag Leena) नामक जहाज पर हुई है। ट्रेनिंग और कैडेटशिप के दौरान सुल्तान खान पहली बार 'जग ललित' नामक जहाज पर लगातार 11 महीने और फिर 'जग अमीषा' नामक जहाज पर 8 महीने तक तैनात रहे। इस दौरान उन्होंने यूएई, सऊदी अरब, इटली, ब्राजील, चीन, सिंगापुर, पनामा, तुर्की, ईरान, इराक, मलेशिया, फ्लोरिडा (USA), इजिप्ट और लीबिया समेत दुनिया के दर्जनों देशों की समुद्री यात्राएं कीं और नयी अनुभव हासिल किये। एक साधारण परिवार से निकलकर समुद्र की लहरों पर देश का परचम लहराने वाले और चौथाई किलोमीटर लंबे, भारी भरकम जहाज को नीले समंदर में भगाने वाले सुल्तान खान और उनके पूरे परिवार की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से शाहपुरा कस्बे सहित पूरे समाज परिवार और मित्रगणों में खुशी का माहौल है। सुल्तान की इस कामयाबी पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, आमजन, मित्र, रिश्तेदार और प्रबुद्ध जन उनके माता-पिता व परिवारजनों को बधाईयाँ और शुभकामनाएं दे रहे हैं।

नवगठित ग्राम पंचायत सोपुरिया में सरपंच सीमा देवी सालवी ने संभाला पदभार

विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद संभाली पंचायत की बागडोर, ग्रामीणों ने किया स्वागत

स्मार्ट हलचल

खटवाड़ा/कोटड़ी । कोटड़ी तहसील क्षेत्र के अंतर्गत नवगठित ग्राम पंचायत सोपुरिया में बुधवार, 4 नवंबर को नवनिर्वाचित सरपंच का पदभार ग्रहण समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ। नवनिर्वाचित सरपंच सीमा देवी सालवी ने शुभ मुहूर्त में पूर्ण विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ पंचायत कार्यालय पहुंचकर विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया।



इस अवसर पर पंचायत भवन में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं मातृशक्ति उपस्थित रही। ?पदभार संभालने के उपरांत आयोजित कार्यक्रम में नवनिर्वाचित सरपंच सीमा देवी सालवी एवं सरपंच प्रतिनिधि सत्यनारायण सालवी ने क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नवगठित ग्राम पंचायत सोपुरिया को विकास के मॉडल के रूप में स्थापित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। गांव में पेयजल, पक्की सड़कें, नालियां, रोशनी और सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं को हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निष्पक्षता एवं समर्पण के साथ कार्य किया जाएगा।

समारोह में ये रहे उपस्थित

समारोह के दौरान दोवनी सरपंच गंगा सिंह, पूर्व सरपंच अरविंद सिंह, पूर्व सरपंच विजय सिंह, पूर्व सरपंच जयपाल सिंह, ठाकुर साहब भंवर सिंह, शिव सिंह, महेंद्र सिंह, बालू सुथार, भेरू शर्मा एवं उपसरपंच ओमेंद्र सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके साथ ही वार्ड पंच छितर बलाई, कविता चमार, सत्यनारायण माली, देवी लाल गुर्जर, पिंकी देवी, दुर्गा देवी सहित ग्राम पंचायत के अनेक गणमान्य महिला व पुरुष उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीणों ने नवनिर्वाचित सरपंच का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

55.23 लाख जमा कर खुला सीज भवन, अब 60 दिन में अवैध निर्माण हटाने की चुनौती

गांधीनगर के तीन भूखंडों पर बिना अनुमति बेसमेंट से पहली मंजिल तक हुआ था निर्माण, स्वायत्त शासन विभाग ने सशर्त दी सीज खोलने की मंजूरी

स्मार्ट हलचल/महेन्द्र नागौरी

भीलवाड़ा शहर के गांधीनगर में नियमों को ताक पर रखकर किए गए निर्माण पर नगर निगम की सीज कार्रवाई के बाद अब नया मोड़ आ गया है। भूखंड संख्या 9-सी, 10-सी और 11-सी पर बने भवन को सीज मुक्त करने के लिए 55 लाख 23 हजार 800 रुपए जमा कराए गए हैं। इसके बाद स्वायत्त शासन विभाग ने भवन की सीज खोलने की अनुमति तो दे दी, लेकिन साथ ही नगर निगम को 60 दिन में अवैध निर्माण हटाने और नियमानुसार कार्रवाई पूरी करने के सख्त निर्देश भी दिए हैं। स्वायत्त शासन विभाग के निदेशकालय ने 2 नवंबर 2026 को नगर निगम आयुक्त को जारी आदेश में स्पष्ट किया कि राकेश सुथरिया पुत्र कन्हैयालाल सुथरिया के गांधीनगर स्थित तीन भूखंडों पर बिना स्वीकृति बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और प्रथम तल पर छत निर्माण किए जाने के कारण 29 अक्टूबर को भवन सीज किया गया था। इसके बाद भवन मालिक ने सीज मुक्त करने का आवेदन दिया। नगर निगम ने विभाग को प्रस्ताव भेजते हुए बताया कि विभागीय आदेश 14 जुलाई 2022 के तहत निर्धारित 55,23,800 रुपए निगम कोष में जमा करा दिए गए हैं। भवन मालिक ने शपथ पत्र भी दिया है कि सीज खुलने के बाद निर्माण स्वीकृत मानचित्र और भवन निर्माण नियमों के अनुसार ही होगा। उल्लंघन होने पर निगम की कार्रवाई स्वीकार होगी।

सीज खोलने की अनुमति, लेकिन अवैध निर्माण पर राहत नहीं

विभाग ने सीज खोलने की अनुमति देते हुए साफ किया है कि इसका मतलब अवैध निर्माण को वैध मान लेना नहीं होगा। स्वीकृति योग्य निर्माण को नियमानुसार स्वीकृति जारी करनी होगी, जबकि गैर-स्वीकृति योग्य निर्माण को मौके से हटाना अनिवार्य होगा। मास्टर प्लान और भवन निर्माण विनियमों की पालना के साथ सड़क मार्गाधिकार और सरकारी भूमि भी सुरक्षित रखनी होगी।

60 दिन की समयसीमा, नहीं हटाया तो फिर चलेगी कार्रवाई

आदेश में नगर निगम को अधिकतम 60 दिन यानी दो माह के भीतर पूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में अवैध निर्माण नहीं हटाने पर निगम अपने खर्चे के बजाय अवैध निर्माणकर्ता के हर्जे-खर्चे पर ध्वस्तीकरण और दोबारा सीज करने की कार्रवाई करेगा। साथ ही जमा धरोहर राशि जब्त करने और सक्षम न्यायालय में अभियोजन की कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने नगर निगम को पूरे मामले की मौके पर लगातार मॉनिटरिंग करने और 60 दिन में कार्रवाई पूरी कर पालना रिपोर्ट भेजने को कहा है।

अब निगम की असली परीक्षा:-

सीज खोलने की अनुमति मिलने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर निगम 55.23 लाख रुपए जमा होने के बाद अवैध निर्माण पर कितनी सख्ती दिखाता है? क्या 60 दिन में नियम विरुद्ध निर्माण वास्तव में हटेगा या आदेश फाइलों तक ही सीमित रह जाएगा? अब निगम की कार्रवाई ही तय करेगी कि शहर में भवन निर्माण नियमों की पालना सिर्फ कागजों में होगी या जमीन पर भी।

ई-नीलामी में लाखों की धोखाधड़ी का आरोप, जोधपुर हाईकोर्ट ने दिए निर्देश, एसपी ने दिए जांच के आदेश

भीलवाड़ा के व्यापारी ने एसबीआई अधिकारियों पर लगाया 70.61 लाख रुपये लेकर कम जमीन उपलब्ध कराने का आरोप, हाईकोर्ट में याचिका के बाद मामले ने पकड़ा तूल

स्मार्ट हलचल



भीलवाड़ा । शहर के एक व्यापारी के साथ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की ओर से आयोजित ई-नीलामी में लाखों रुपये की धोखाधड़ी किए जाने का आरोप सामने आया है। पीड़ित व्यापारी ने बैंक अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पहले मांडल थाने और बाद में जिला पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर राजस्थान हाईकोर्ट की शरण ली। मामले में जोधपुर हाईकोर्ट के विद्वान न्यायाधीश सुनील बेनीवाल ने याचिका का निस्तारण करते हुए निर्देश दिए कि यदि याचिकाकर्ता संबंधित प्राधिकरण के समक्ष कोई प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है तो प्राधिकरण उसके तथ्यों और उसमें उठाई गई शिकायतों पर विचार कर कानून के अनुसार कार्रवाई करे। इधर, जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने भी मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। शहर की वर्द्धमान कॉलोनी निवासी प्रवीण पुत्र मनोहरलाल चंडालिया ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक की ओर से 9 दिसंबर 2025 को आयोजित ई-नीलामी के माध्यम से उन्होंने मांडल कस्बे के समीप स्थित 3135 वर्ग मीटर औद्योगिक भूमि 70 लाख 61 हजार रुपये में खरीदी थी। इस भूमि की संपूर्ण राशि उन्होंने 24 दिसंबर 2025 को जमा करवा दी। व्यापारी का आरोप है कि बैंक अधिकारी वंदना, महिमा गुप्ता और ओमप्रकाश मिश्रा ने मिलीभगत कर उनके साथ धोखाधड़ी की। नीलामी में दर्शाई गई 3135 वर्ग मीटर भूमि के बजाय मौके पर केवल करीब 1906 वर्ग मीटर जमीन ही उपलब्ध है। इसके चलते उन्हें खरीदी गई भूमि का भौतिक कब्जा भी नहीं दिया जा रहा है। व्यापारी का कहना है कि उन्होंने पूरी राशि चुकाने के बावजूद न तो उन्हें नीलामी में दर्शाई गई पूरी जमीन मिली और न ही उसका कब्जा मिल पाया।

एसपी को परिवाद देकर कार्रवाई की मांग

पीड़ित व्यापारी चंडालिया ने जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा को परिवाद देकर आरोप लगाया कि बैंक अधिकारियों ने जानबूझकर तथ्यों को छिपाकर उनके साथ लाखों रुपये की धोखाधड़ी की है। उन्होंने संबंधित बैंक अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। एसपी ने परिवाद पर मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

हाईकोर्ट ने प्रतिवेदन पर नियमानुसार कार्रवाई के दिए निर्देश

पुलिस की ओर से शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर व्यापारी ने राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के बाद न्यायाधीश सुनील बेनीवाल ने याचिका का निस्तारण करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता यदि संबंधित प्राधिकरण को प्रतिवेदन देता है तो प्राधिकरण उसके तथ्यों और शिकायतों पर विचार कर कानून के अनुसार उनका निस्तारण करेगा।

भीम आर्मी ने मांडलगढ़ विधानसभा की कमान रामदेव रैगर को सौंपी : जिलाध्यक्ष दुर्गालाल बैरवा ने जारी किए नियुक्ति आदेश, संगठन विस्तार को मिलेगी गति

सांसद चंद्रशेखर आजाद और शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर हुई घोषणा; बाबा साहब डॉ. अंबेडकर व मान्यवर कांशीराम की विचारधारा को धरातल पर पहुंचाने का संकल्प

स्मार्ट हलचल



भीलवाड़ा/मांडलगढ़ । भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए रामदेव रैगर को मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र का अध्यक्ष मनोनीत किया है। भीम आर्मी के भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष दुर्गालाल बैरवा द्वारा जिलाध्यक्ष कार्यालय 'संविधान भवन' राजपुरा (काछोला) से नियुक्ति पत्र क्रमांक RAJ/2026/10/11 जारी कर इस मनोनयन की आधिकारिक घोषणा की गई।

शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर हुई नियुक्ति

जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार यह मनोनयन भीम आर्मी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय प्रमुख तथा नगीना (उत्तर प्रदेश) के सांसद चंद्रशेखर आजाद, राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर मौर्य के दिशा-निर्देशानुसार किया गया है। संगठन का मुख्य उद्देश्य बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं मान्यवर कांशीराम की समतामूलक विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना तथा बहुजन समाज के सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों के संरक्षण व उत्थान को गति प्रदान करना है।

जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने की अपेक्षा

जिलाध्यक्ष दुर्गालाल बैरवा ने नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष रामदेव रैगर को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन के सिद्धांतों, अनुशासन और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि मांडलगढ़ क्षेत्र में शोषित, वंचित और पिछड़े वर्ग के हकों की आवाज को प्रखरता से उठाने के साथ-साथ सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट कर संगठन की नीतियों को गांव-ढाणी तक पहुंचाया जाएगा। रामदेव रैगर के मनोनयन पर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है।

दुबई में डॉ. गोपेश शर्मा अंतरराष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित

पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और सामाजिक सेवा में योगदान के लिए मिला वर्चुअल सम्मान

स्मार्ट हलचल



उदयपुर। उदयपुर के वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. गोपेश शर्मा को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय इन2 फ्यूचर अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। संस्थान की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात के दुबई स्थित सेवेन सीज होटल में आयोजित समारोह में डॉ. शर्मा को वर्चुअल माध्यम से यह सम्मान प्रदान किया गया।

महवा में युवक की आत्महत्या की सूचना से मचा हड़कंप, पुलिस की तत्परता से सामने आई चौंकाने वाली सच्चाई

बहुडखी गांव में युवक के आत्महत्या करने की सूचना से पुलिस महकमे में मची खलबली, जांच में युवक के सुरक्षित होने की हुई पुष्टि

स्मार्ट हलचल

महवा (दौसा)। महवा क्षेत्र के बहुडखी गांव में एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना की गंभीरता को देखते हुए महवा थाना पुलिस तत्काल सक्रिय हुई और मामले की सच्चाई जानने के लिए मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, सूचना मिलते ही महवा थाना पुलिस के एसआई विजय राज सिंह अपनी टीम के साथ सक्रिय हुए। पुलिस ने सूचना में दिए गए मोबाइल नंबर के आधार पर युवक की पहचान और उसके संबंध में जानकारी जुटाई। जांच के दौरान चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि जिस युवक के आत्महत्या करने की सूचना दी गई थी, वह सीकर में ट्रक चला रहा था और पूरी तरह सुरक्षित था। पुलिस ने कंट्रोल रूम को भी युवक के सकुशल होने की जानकारी दी। वहीं, जिस मोबाइल नंबर से यह सूचना प्राप्त हुई थी, वह परिवार के एक युवक के नाम पर जारी था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि संबंधित सिम कई महीने पहले ही बंद कर दी गई थी।

पुलिस की सतर्कता से टला अनावश्यक तनाव

समय रहते पुलिस की सक्रियता और त्वरित जांच से सूचना की वास्तविकता सामने आ गई। युवक के सुरक्षित होने की पुष्टि के बाद पुलिस और परिजनों ने राहत की सांस ली। यह घटना बताती है कि किसी भी संवेदनशील सूचना पर बिना पुष्टि किए घबराने के बजाय उसकी सत्यता की जांच करना बेहद जरूरी है।

सिलेंडर विस्फोट में चार लोगों के घायल होने की झूठी सूचना देने वाला गिरफ्तार

डायल 112 पर दी थी सूचना, मौके पर पहुंची पुलिस, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड को नहीं मिला कोई हादसा; पुलिस टीम से भी की अभद्रता

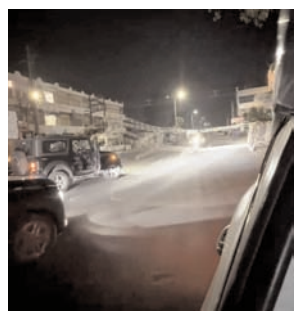
स्मार्ट हलचल

खखरेरू/फतेहपुर थाना क्षेत्र के उमरा गांव में शराब के नशे में धुत एक युवक ने डायल 112 पर गैस सिलेंडर फटने और चार से पांच लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की झूठी सूचना दे दी। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं, लेकिन वहां किसी प्रकार की दुर्घटना नहीं हुई थी। जांच में सूचना झूठी पाए जाने और पुलिस टीम के साथ अभद्रता करने के आरोप में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, तीन नवंबर की सुबह करीब तीन बजे उमरा गांव निवासी विजय पुत्र पृथ्वी लोधी ने अपने मोबाइल फोन से डायल 112 पर सूचना दी कि गांव में एक घर में गैस सिलेंडर फट गया है, जिससे चार से पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सिलेंडर विस्फोट और कई लोगों के घायल होने की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पीआरवी, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और उपनिरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचकर जांच की गई तो स्थिति सामान्य मिली। पूछताछ में पता चला कि सूचना देने वाला विजय शराब के नशे में था और उसने शरारत के चलते झूठी सूचना दी थी। आरोप है कि पूछताछ के दौरान उसने पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की। थाना प्रभारी सतपाल सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तीन साल से सजा रहे स्वागत द्वार पर प्रशासनिक लापरवाही की मार, 2 से 3 लाख का नुकसान

ट्रक की टक्कर से बिखरी दिवाली की सजावट, संदीप बजाज रोड चौराहे पर बना रहा था निशुल्क भव्य स्वागत द्वार, आयोजकों ने रद्द किया आयोजन

स्मार्ट हलचल



भीलवाड़ा। तीन साल से दीपावली पर संदीप बजाज रोड चौराहे को भव्य स्वागत द्वार से सजाकर शहरवासियों को आकर्षित करने वाली राजस्थान टेंट हाउस की पहल पर इस बार संकट खड़ा हो गया है। मंगलवार देर रात एक बेकाबू ट्रक की टक्कर से निर्माणाधीन स्वागत द्वार धराशायी हो गया। हादसे में करीब 2 से 3 लाख रुपए का नुकसान होने के बाद आयोजकों ने इस बार भव्य आयोजन को निरस्त करने या सीमित करने का कड़ा फैसला लिया है। राजस्थान टेंट हाउस के संचालक मानव गौड़ ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से उनकी ओर से संदीप बजाज रोड चौराहे पर दीपावली के अवसर पर निशुल्क भव्य स्वागत द्वार बनाया जा रहा है। इस बार भी आयोजन को खास बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही थीं। स्वागत द्वार में आकर्षक सजावट के साथ विशेष काइनेटिक प्रॉप्स यानी स्वचालित मूविंग प्रॉप्स लगाए जा रहे थे, जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनने वाले थे। इसी बीच मंगलवार देर रात एक ट्रक चालक ने निर्माणाधीन ढांचे को जोरदार टक्कर मार दी। बताया गया कि चालक नशे में धुत था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्वागत द्वार का पूरा ढांचा पास में खड़ी ट्रैवलर वैन पर जा गिरा। इससे निर्माण सामग्री और सजावटी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। हादसे के बाद आयोजकों को खुद श्रमदान कर मलबा हटाना पड़ा। मानव गौड़ ने बताया कि इस नुकसान के अलावा रात के समय बेपरवाह वाहन चालकों की आवाजाही, सुरक्षा इंतजामों की कमी और इंश्योरेंस क्लेम को लेकर पैदा हुई व्यावहारिक परेशानियों ने भी आयोजकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उनका कहना है कि शहर में सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के आयोजनों के दौरान यातायात नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन इस मामले में अपेक्षित सहयोग और सतर्कता नजर नहीं आई। उन्होंने रात्रिकालीन पुलिस गश्त और यातायात व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि निर्माणाधीन ढांचे के आसपास पर्याप्त सुरक्षा और यातायात नियंत्रण होता तो इस तरह के हादसे से बचा जा सकता था। लगातार तीन वर्षों से शहरवासियों के लिए नि:शुल्क सजावट की जा रही थी, लेकिन इस बार हुए नुकसान और प्रशासनिक व व्यावहारिक अड़चनों ने आयोजन को लेकर पुनर्विचार करने पर मजबूर कर दिया है। गौड़ के अनुसार अब राजस्थान टेंट हाउस की ओर से दीपावली का भव्य स्वागत द्वार पूरी तरह स्थगित करने अथवा केवल सुरक्षित टावर शेप में सीमित सजावट करने पर विचार किया जा रहा है। आयोजकों का कहना है कि सुरक्षा और प्रशासनिक सहयोग के अभाव में जोखिम उठाकर इतना बड़ा आयोजन करना मुश्किल है।

दीपावली मेले में व्यापारियों को मिलेंगी नि:शुल्क सुविधाएं,सजने लगा मेला



झूला-चकरी, सर्कस और दुकानदारों से नहीं लिया जाएगा शुल्क, सफाई व रोशनी पर भी रहेगा विशेष जोर

स्मार्ट हलचल

काछोला कस्बे में दीपावली मेले की तैयारियों को लेकर ग्राम पंचायत ने कस्बे सहित बाहर से आने वाले व्यापारियों को बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। ग्राम पंचायत की ओर से मेले में आने वाले व्यापारियों को जगह, ठहरने, बिजली और पानी की सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएंगी। सरपंच गीता देवी माली ने बताया कि मेले में झूला-चकरी, सर्कस संचालकों और दुकानदारों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। ग्रामवासियों की मांग पर लिए गए इस निर्णय के साथ मेले के दौरान नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा काछोला बाजार में रोशनी की समुचित व्यवस्था करने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। ग्राम पंचायत ने यह फैसला ग्रामीणों की मांग को ध्यान में रखते हुए लिया है, जिससे बाहर से आने वाले व्यापारियों को आर्थिक राहत मिलेगी और मेले में अधिक से अधिक व्यापारी भाग ले सकेंगे। पंचायत का उद्देश्य मेले को सुव्यवस्थित, स्वच्छ और रोशनी से जगमग बनाना है। सजने लगा मेला - कस्बे में रास मेला के नाम से भरने वाला दीपावली मेला में झूला, चकरी,सर्कस,मेले में कई दुकानें आ चुकी है और लगातार आ रही है,इस बार नवनिर्वाचित सरपंच गीता देवी माली ने दीपावली मेला निशुल्क करने की घोषणा से काफी दुकानदार,और झुले वाले आए है,अलग अलग तरह के झूले,चकरी ,सर्कस से मेला सजने लगा है।धनतेरस से दीपावली मेले की औपचारिक शुरुआत होगी।इसको लेकर ग्राम पंचायत और ग्रामीण मेले में दुकानदारों को अच्छी सुविधा मिले इसके लिए जुटे हुए है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी बालकिशन शर्मा ने अलग अलग टीम बनाकर मय टीम के मेला सहित निगरानी में लगे हुए है।

शाहपुरा के सदर बाजार की सड़क पर सियासत का पेचवर्क, जनता के हिस्से में फिर धूल और गड्ढे!

14 लाख का टेंडर, वर्कऑर्डर भी जारी... फिर काम रोकने का फरमान किसका और क्यों

स्मार्ट हलचल



शाहपुरा शाहपुरा को आखिर हो क्या रहा है शहर की धड़कन कहे जाने वाले सदर बाजार की सड़क बदहाल है, जनता परेशान है, व्यापारी रोजाना मुश्किलों से जूझ रहे हैं और जिम्मेदारों के पास शायद इस समस्या का कोई स्थायी समाधान ही नहीं है। करीब 14 लाख रुपए का टेंडर जारी हो चुका है। ठेकेदार को वर्कऑर्डर भी सौंपा जा चुका है। यानी सरकारी कागजों में सड़क सुधारने की तैयारी पूरी है, लेकिन जमीन पर काम शुरू होने के बजाय राजनीतिक और प्रशासनिक पेच फंसते जा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस काम को कराने के लिए नगर पालिका ने टेंडर जारी किया, उसी काम को अब आगे बढ़ाने में अड़चनें क्यों खड़ी की जा रही हैं वर्कऑर्डर जारी करने वाले अधिकारी ही यदि काम रुकवाने की स्थिति में हैं तो फिर जनता किससे उम्मीद करे क्या किसी ऊपरी राजनीतिक निर्देश का इंतजार है या फिर सड़क की मरम्मत भी अब राजनीतिक सहमति और श्रेय की मोहताज हो गई है यदि काम नहीं कराना है तो फिर टेंडर निरस्त कर दीजिए, लेकिन जनता को इस अनिश्चितता के बीच कब तक रखा जाएगा

रात का पेचवर्क, सुबह फिर वही सड़क... जनता को मिला मरम्मत का भरोसा या प्रचार का तमाशा

विगत रात्रि सदर बाजार में पेचवर्क को लेकर जो कुछ हुआ, उसने पूरे मामले को और दिलचस्प बना दिया। लाख जतन के बाद सड़क पर कुछ जगह पेचवर्क कराने की कवायद हुई। मौके पर लोगों की मौजूदगी रही, माहौल ऐसा बनाया गया मानो शाहपुरा की सड़क समस्या का ऐतिहासिक समाधान हो गया हो। सोशल मीडिया पर भी वाहवाही बटोरने का दौर चला। तस्वीरों और संदेशों के जरिए उपलब्धि का संदेश देने की कोशिश हुई। लेकिन असली परीक्षा तो अगली सुबह हुई। जब बाजार के दुकानदारों और आम नागरिकों ने सड़क को देखा तो उत्साह की जगह निराशा हाथ लगी। लोगों को एक बार फिर ठगा सा महसूस हुआ। सवाल उठा कि आखिर रात में इतनी बड़ी कवायद किसलिए थी कितने गड्ढे भरे गए और कितने जस के तस छोड़ दिए गए सड़क की वास्तविक स्थिति में कितना सुधार हुआ इसका जवाब सड़क खुद दे रही है। विडंबना यह है कि इससे पहले भी जनता इस तरह के आश्वासन और अधूरे प्रयास देख चुकी है। रात में मरम्मत की उम्मीद जगती है और सुबह होते-होते वह उम्मीद फिर गड्ढों में समा जाती है। सड़क सुधारने के नाम पर यदि केवल कुछ स्थानों पर औपचारिकता निभानी है तो उसे विकास कार्य कहना भी विकास शब्द के साथ अन्याय होगा।

पीएचईडी ने खोदी सड़क, मरम्मत की जिम्मेदारी आखिर किसकी

सदर बाजार की बदहाली के पीछे एक बड़ा कारण पीएचईडी की ओर से की गई खुदाई भी है। पेयजल लाइन के काम के दौरान सड़क को खोदा गया, लेकिन काम पूरा होने के बाद सड़क को जिस गुणवत्ता के साथ वापस दुरुस्त किया जाना चाहिए था, वह नजर नहीं आ रहा। सवाल यह भी है कि खुदाई के बाद सड़क की मरम्मत किस गुणवत्ता से हुई, इसकी जांच किसने की और संबंधित विभाग ने अपने दायित्व का कितना निर्वहन किया सरकारी कामों में सड़क खोदने की अनुमति देने से लेकर उसे वापस ठीक कराने तक जिम्मेदारियां तय होती हैं। गुणवत्ता जांचने के लिए भी विभागीय व्यवस्था होती है। फिर क्या कारण है कि आम नागरिकों को हर दिन उसी खराब सड़क से गुजरना पड़ रहा है क्या विभागों के बीच जिम्मेदारी भी सड़क के गड्ढों की तरह एक-दूसरे को सौंप दी गई है

चुनाव खत्म, अब सड़क के श्रेय की नई चुनावी पिच!

नगर पालिका चुनाव संपन्न हो चुके हैं। जनता ने अपना जनमत दे दिया है। अब उम्मीद थी कि शहर के बुनियादी मुद्दों पर काम होगा, लेकिन सदर बाजार की सड़क को देखकर लगता है कि यहां विकास से ज्यादा श्रेय लेने की होड़ महत्वपूर्ण हो गई है।

काम कौन करवाएगा, इसका फैसला होने से पहले श्रेय कौन लेगा, इस पर ज्यादा दिलचस्पी दिखाई दे रही है। राजनीतिक महत्वाकांक्षा अपनी जगह है। जनप्रतिनिधियों को काम कराने और उसका श्रेय लेने का पूरा अधिकार है। जनता को इससे कोई आपत्ति भी नहीं है। बल्कि जनता तो चाहती है कि कोई आगे आए, जिम्मेदारी उठाए और सड़क को दुरुस्त करवाए। लेकिन श्रेय की राजनीति में सड़क की मरम्मत ही उलझ जाए तो यह जनमत का सम्मान नहीं, बल्कि जनता की परेशानी बढ़ाने जैसा है। प्रशासन के आला अधिकारियों तक कई ज्ञापन पहुंच चुके हैं। शिकायतें की जा चुकी हैं। लोग अपनी समस्या बता चुके हैं। लेकिन कार्रवाई के नाम पर ज्ञापन लेने और आश्वासन देने की परंपरा ही अधिक प्रभावी नजर आ रही है। नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों का रवैया भी ऐसा प्रतीत होता है मानो सदर बाजार की समस्या उनकी प्राथमिकता में ही नहीं है।

दीपावली पर बाजार में रामा-श्यामा होगी या गड्ढों से बचने की कवायद

इस बार शाहपुरा की दीपावली खास है। शहरवासी बाजारों में खरीदारी करेंगे, रिश्तेदारों और परिचितों से रामा-श्यामा करने निकलेंगे। व्यापारी अपनी दुकानों को सजाएंगे, बाजार में रौनक होगी। लेकिन इसी रौनक के बीच सदर बाजार की क्षतिग्रस्त सड़क लोगों की परेशानी का कारण बनी रहेगी। त्योहार पर बाजार में भीड़ बढ़ेगी। बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और बाहर से आने वाले ग्राहक इसी सड़क से गुजरेंगे। दोपहिया वाहन चालक गड्ढों से बचेंगे तो पैदल चलने वालों को धूल और असुविधा का सामना करना पड़ेगा। त्योहार खुशियों का है, लेकिन सड़क की हालत देखकर लगता है कि इस बार लोगों को दीपावली की खरीदारी से ज्यादा गड्ढों से बचने की तैयारी करनी पड़ेगी।

जनता का सवाल सीधा है... सड़क बनाइए, श्रेय बाद में ले लीजिए!

सदर बाजार की सड़क कोई राजनीतिक दल या व्यक्ति विशेष की निजी संपत्ति नहीं है। यह पूरे शहर की जरूरत है। इसका निर्माण और रखरखाव नगर पालिका तथा संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। करीब 14 लाख रुपए का टेंडर जारी होने और वर्कऑर्डर दिए जाने के बाद भी काम आगे नहीं बढ़ना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रशासन को चाहिए कि वह तत्काल स्थिति स्पष्ट करे। यदि टेंडर वैध है तो ठेकेदार से निर्धारित शर्तों के अनुसार काम शुरू करवाया जाए। यदि कोई तकनीकी या प्रशासनिक अड़चन है तो उसे सार्वजनिक किया जाए। पीएचईडी की ओर से की गई खुदाई की गुणवत्ता और सड़क की मरम्मत की जांच हो तथा अधूरे पेचवर्क के बजाय पूरी सड़क को निर्धारित मानकों के अनुसार दुरुस्त कराया जाए।

जनता ने जनप्रतिनिधियों को इसलिए नहीं चुना कि वे सड़क पर खड़े होकर मरम्मत की तस्वीरें खिंचवाएं, बल्कि इसलिए चुना है कि शहर की समस्याओं का समाधान हो। अधिकारियों को भी यह समझना होगा कि सरकारी आदेशों का उद्देश्य जनता को सुविधा देना है, न कि फाइलों में काम पूरा दिखाना। आखिरकार सवाल वही है शाहपुरा को हो क्या रहा है 14 लाख का टेंडर है, वर्कऑर्डर है, ठेकेदार है, अधिकारी हैं, जनप्रतिनिधि हैं, ज्ञापन हैं और सोशल मीडिया पर वाहवाही भी है। बस एक चीज गायब है... सदर बाजार की ढंग से बनी हुई सड़क!

बाकी जनता सब समझ रही है। किसकी मंशा क्या है, किसका पेच कहां फंसा है और किसे श्रेय की चिंता है। अब देखना यह है कि दीपावली से पहले सड़क सुधरती है या फिर इस बार भी शहरवासी गड्ढों के बीच ही एक-दूसरे को रामा-श्यामा करेंगे। क्योंकि विकास का असली प्रमाण सोशल मीडिया की पोस्ट नहीं, सड़क पर चलती जनता की राहत है। बाकी तो राम ही जाने!

सरपंच सुशीला सोमानी ने संभाला पदभार, भव्य जुलूस निकालकर ग्रामीणों ने जगह-जगह किया स्वागत-अभिनंदन



स्मार्ट हलचल

आकोला। ग्राम पंचायत बरूंदनी में नवनिर्वाचित सरपंच सुशीला सोमानी पत्नी रामनारायण सोमानी के पदभार ग्रहण करने के अवसर पर बुधवार को भव्य स्वागत जुलूस निकाला गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और ग्रामीणों के उत्साह के बीच निकले जुलूस में सरपंच सुशीला सोमानी, उपसरपंच शिव प्रकाश खटीक, समस्त वार्ड पंच एवं पंचायत सचिव साथ रहे। जुलूस गांव के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान ग्रामीणों ने जगह-जगह फूलमालाओं से स्वागत किया तथा साफा पहनाकर जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन किया। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल नजर आया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मांडलगढ़ विधायक गोपाललाल खंडेलवाल रहे। भाजपा मंडल अध्यक्ष श्यामलाल अहीर, सिंगोली सरपंच, मांडलगढ़ के पूर्व चेयरमैन संजय डांगी, पार्षद अशोक जीनगर, देवीपुरा सरपंच रामपाल सालवी एवं अर्जुन बमभट्ट सहित कई जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रामराय लढ़ा भी मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर पूर्व पंचायत समिति सदस्य दिलीप सिंह राणावत वार्ड पंच काली मीणा, विमला देवी गवारिया, हेमलता सोनी, रमादेवी सारस्वत, रेखा लक्षकार, चांदीबाई अहीर, ओमप्रकाश लढ़ा, भेरूलाल गाडरी, शंकर मीणा, सीताराम गुर्जर एवं रमेश मीणा सहित पंचायत के सभी वार्ड पंच और गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रभुलाल सोमानी ने किया। पदभार ग्रहण के अवसर पर ग्रामीणों ने नवनिर्वाचित सरपंच एवं पंचायत प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं। साथ ही गांव में विकास कार्यों को गति देने, पेयजल, सड़क, सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की उम्मीद जताई।

टोंक एसपी रोशन मीना के निर्देशन ऑपरेशन साइबर वॉर अभियान के तहत कार्रवाई

निवेश के नाम पर ठगी करने वाला साइबर ठग चढ़ा पुलिस के हत्थे

स्मार्ट हलचल

टोंक/भरत देवड़वाल। पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा (आईपीएस) के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन साइबर वॉर अभियान के तहत साइबर अपराध के विरुद्ध टोंक पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना नगरफोर्ट पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से निवेश के नाम पर ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी राजेन्द्र ताड़ा पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर दिनांक 01.11.2026 को थाना क्षेत्र के कंकोड रोड, ग्राम भोजपुरा से संदिग्ध व्यक्ति दिलखुश पुत्र आत्माराम मीणा उम्र 25 वर्ष निवासी धारोला, थाना नगरफोर्ट जिला टोंक को डिटेन कर तलाशी ली।

NCRP पोर्टल पर 02 शिकायतें, 01 लाख से अधिक की ठगी पुलिस अधीक्षक रोशन मीना आईपीएस ने बताया कि जांच के दौरान एनसीआरपी पोर्टल पर आरोपी के विरुद्ध कुल 02 शिकायतें दर्ज होना पाया गया, जिनमें कुल 01 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की राशि होना पाया गया। आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रुपये निवेश करने और बदले में मोटी राशि प्राप्त करने का झांसा देकर आमजन को ठगता था।

कब्जे से बरामद सामानः-

आरोपी के कब्जे से अलग-अलग बैंकों के 18 चैक बुक्स, 25 बैंक पास बुक, 17 एटीएम कार्ड तथा 03 मोबाईल फोन व अन्य दस्तावेज बरामद किये गये हैं। उक्त दस्तावेजों की गहनता से जांच कर संबंधित बैंकों से रिकॉर्ड प्राप्त कर अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। पुलिस अधीक्षक रोशन मीना ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध थाना हाजा पर प्रकरण संख्या 158/2026 धारा 318(4),319(2) बीएनएस व 66डी आईटी एक्ट में दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

गिरफ्तार आरोपीः-

1. दिलखुश पुत्र आत्माराम मीणा उम्र 25 वर्ष निवासी धारोला थाना नगरफोर्ट जिला टोंक।

कार्यवाही टीमः-

राजेन्द्र ताड़ा पुलिस निरीक्षक,छोटूलाल सउनि,ओमप्रकाश कानि0 167,धनराज कानि0 144 यह कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन लाल भार्गव व वृत्ताधिकारी वृत उनियारा अशोक कुमार के सुपरविजन में की गई।

शाहपुरा में अब 10 से 80 साल तक के बुजुर्ग भी खेलेंगे खेल, 'खेलो राजस्थान-2026' से हर उम्र को मिलेगा मैदान

नगर पालिका ने की घोषणा, तीन चरणों में होंगे खेल आयोजन, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को तलाशने की तैयारी, 10 साल से लेकर 80 वर्ष से अधिक आयु के लोग भी ले सकेंगे भाग



स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। खेल का मैदान अब केवल युवाओं और बच्चों तक सीमित नहीं रहेगा। शाहपुरा में 10 साल के बच्चों से लेकर 80 साल तक के बुजुर्ग भी खेलों में अपनी प्रतिभा और उत्साह दिखा सकेंगे। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'खेलो राजस्थान-2026' के तहत प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने और हर आयु वर्ग को खेलों से जोड़ने की तैयारी शुरू हो गई है। इसी क्रम में नगर पालिका शाहपुरा ने योजना की जानकारी देते इस आशय की आज घोषणा की है। नगर पालिका आयुक्त रिंकल गुप्ता की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से राज्य सरकार की ओर से 'खेलो राजस्थान-2026' का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासन ने इसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं। योजना की खास बात यह है कि इसमें उम्र की कोई ऊपरी सीमा निर्धारित नहीं की गई है। यानी 10 वर्ष से लेकर 80 वर्ष तक और उससे अधिक आयु के लोग भी अपनी रुचि के अनुसार खेलों में भाग ले सकेंगे।

तीन चरणों में होंगे खेल आयोजन-

योजना के तहत खेल प्रतियोगिताएं तीन चरणों में आयोजित होंगी। नगर पालिका की ओर से जारी जानकारी के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन इस प्रकार होगा-

प्रथम चरण (दिसंबर 2026 से जनवरी 2027)- वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, रस्साकशी एवं तीरंदाजी।

द्वितीय चरण (अप्रैल-मई 2027)- कबड्डी, फुटबॉल, जुडो एवं शूटिंग।

तृतीय चरण (अगस्त-सितंबर 2027)- खो-खो, कुश्ती, बास्केटबॉल एवं तैराकी।

इस तरह अलग-अलग चरणों में विविध खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

पहले ग्राम पंचायत स्तर, फिर जिला और राज्य स्तर पर मुकाबले-

गुप्ता के अनुसार पहले ग्राम पंचायत स्तर पर 26 दिन तक मुकाबले होंगे। इसके बाद ब्लॉक स्तर पर 10 दिन और फिर जिला एवं राज्य स्तर पर फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य गांवों से लेकर शहरों तक खेल प्रतिभाओं को प्रतियोगिता के अवसर उपलब्ध कराना है।

नगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि योजना के सफल आयोजन के लिए प्रशासन के सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खेल मैदानों का चिन्हीकरण किया जाए। प्रचार-प्रसार और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं, ताकि कोई भी प्रतिभा इस महाकुंभ में भाग लेने से वंचित नहीं रहे।

रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाइन पोर्टल-

खेलों में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। इसके लिए राज्य सरकार के खेल पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा।

पंजीकरण पोर्टल

खेलो राजस्थान-2026 ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल

अब देखना होगा कि शाहपुरा में इस योजना के तहत कितने खिलाड़ी और कितने बुजुर्ग खेल के मैदान में उतरकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। यदि योजना का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो यह खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाने और नई प्रतिभाओं को मंच देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकती है।

डाक विभाग के कर्मचारियों ने 12 सूत्रीय मांगों को लेकर जयपुर में किया धरना-प्रदर्शन

पुरानी पेंशन बहाली, रिक्त पदों पर भर्ती और पोस्टमैन कैडर रीस्ट्रक्चरिंग रिपोर्ट लागू करने की मांग; NUPE पोस्टमैन/ MTS राजस्थान सर्किल ने CPMG कार्यालय पर उठाई आवाज...

स्मार्ट हलचल



जयपुर। डाक विभाग के पोस्टमैन और मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) कर्मचारियों की लंबित समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय यूनिफाइड पोस्टल एम्प्लाइज (NUPE) पोस्टमैन/ MTS राजस्थान सर्किल जयपुर की ओर से बुधवार को जयपुर स्थित चीफ पोस्टमास्टर जनरल (CPMG) कार्यालय पर 12 सूत्रीय मांगों को लेकर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक प्रस्तावित इस धरने के माध्यम से कर्मचारियों ने विभागीय व्यवस्था में सुधार, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, रिक्त पदों पर भर्ती और लंबे समय से लंबित सेवा संबंधी मामलों का समाधान करने की मांग उठाई। संगठन ने कहा कि डाक विभाग में कार्यरत पोस्टमैन और MTS कर्मचारी लगातार विभागीय जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन कई महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान नहीं होने से कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों की मांग है कि विभाग उनकी जायज समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर जल्द निर्णय ले।

पुरानी व्यवस्था बहाल करने और पदोन्नति का कोटा बढ़ाने की मांग

संगठन की प्रमुख मांगों में IDC/CDC डिलीवरी सिस्टम बंद कर पुरानी पिनकोड आधारित विकेंद्रीकृत व्यवस्था बहाल करना शामिल है। NDC व्यवस्था में सुधार, अलग पदों का सृजन, वैज्ञानिक तरीके से बीट निर्धारण और कर्मचारियों को ई-बाइक उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। इसके साथ ही 12 अगस्त 2025 को गठित पोस्टमैन कैडर रीस्ट्रक्चरिंग कमेटी की रिपोर्ट शीघ्र लागू करने की मांग की गई।

जबरन टारगेट और ट्रांसफर संबंधी परेशानियां खत्म हों

कर्मचारियों ने बीमा, PLI/RPLI और खाता खोलने के लिए जबरन टारगेट देने की व्यवस्था बंद करने की मांग की। रूल-38 के तहत लंबित ट्रांसफर प्रकरणों का निस्तारण करने और 66.66 प्रतिशत की शर्त हटाने की मांग भी शामिल है। कर्मचारियों की सहमति के बिना डेपुटेशन और अटैचमेंट नहीं करने तथा मेडिकल लीव रिजेक्शन की समस्या समाप्त करने की मांग की गई।

OPS बहाली और रिक्त पदों पर भर्ती का मुद्दा उठाया

संगठन ने 1 जनवरी 2004 के बाद भर्ती हुए कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (OPS) बहाल करने की मांग की। PLI/RPLI कमीशन बढ़ाकर सीधे कर्मचारियों को देने, MTS से पोस्टमैन पद पर पदोन्नति का कोटा बढ़ाने और विभागीय पदोन्नति समिति (DPC) की बैठक शीघ्र आयोजित करने की मांग भी रखी गई। इसके अलावा पोस्टमैन और स्लूस के सभी रिक्त पदों पर भर्ती कर कर्मचारियों पर बढ़ते कार्यभार को कम करने तथा ग्रामीण डाक सेवकों (GDS) को सिविल सर्वेंट का दर्जा और बेहतर वेतनमान देने की मांग की गई। TA/D और मेडिकल बिल सहित सभी भत्तों का भुगतान एक माह के भीतर सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए। इससे डाक विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार होगा और कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिल सकेगा।

एक-एक वोट की ताकत समझाने गांवों में उतरी स्वीप टीम, महिलाओं ने ली मतदान की शपथ

ग्राम सभाओं में जागरूकता का संदेश, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर मतदाताओं को किया प्रेरित

स्मार्ट हलचल। अनिल खींची

ब्यावर। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 में अधिकाधिक मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिले में मतदाता जागरूकता अभियान तेज हो गया है। जिला स्वीप टीम की ओर से महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से विभिन्न ग्राम पंचायतों में मतदाता जागरूकता ग्राम सभाएं आयोजित की गईं। इनमें महिलाओं, युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदान करने का संकल्प लिया। ग्राम सभाओं में ग्रामीणों को मतदान के महत्व और लोकतंत्र में प्रत्येक वोट की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। सामूहिक शपथ और संवाद के माध्यम से पात्र मतदाताओं को अपने मताधिकार का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान में महिला मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।



आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचाया संदेश

मतदाता जागरूकता अभियान को गांवों के प्रत्येक घर तक पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्मिकों ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने ग्रामीणों से परिवार के सभी पात्र सदस्यों को मतदान के लिए प्रेरित करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना के निर्देशन में जिला स्वीप टीम द्वारा विभिन्न विभागों के समन्वय से लगातार जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक वर्ग तक मतदान का संदेश पहुंचाकर मतदान को जन-आंदोलन का स्वरूप देना है।

16108 श्री तुलसी-शालिग्राम विवाह महोत्सवः चारभुजानाथ को बारात लेकर पधारने का आमंत्रण

मंगल लग्न पत्रिका का लेखन कर विभिन्न मंदिरों में समर्पित की; 20 नवंबर को मेडिसिटी ग्राउंड पर होगा महोत्सव...

स्मार्ट हलचल



भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में 20 नवंबर को आजादनगर स्थित मेडिसिटी ग्राउंड पर आयोजित होने वाले 16108 श्री तुलसी-शालिग्रामजी विवाह महामहोत्सव से पहले बुधवार को मंगल लग्न पत्रिका का लेखन किया गया। इसके साथ ही राजाधिराज मेवाड़ धणी श्री गढ़बोर चारभुजानाथ सहित शहर के विभिन्न मंदिरों में विराजित भगवान चारभुजानाथ को बारात लेकर पधारने का भावपूर्ण आमंत्रण दिया गया। सकल सनातन परिवार की प्रेरणा से श्री तुलसी-शालिग्राम विवाह समिति के तत्वावधान में होने वाले आयोजन के लिए मंगल लग्न पत्रिका का लेखन महोत्सव के सूत्रधार श्रीविष्णु कृष्ण तनय महाराज के सानिध्य में हुआ। यजमान परिवारों और समिति सदस्यों ने पत्रिका भगवान चारभुजानाथ के मंदिरों में समर्पित की। श्री गढ़बोर चारभुजानाथ को आमंत्रित करने के लिए यजमान राधेश्याम-रितेश चेचाणी परिवार और मुख्य समिति के सदस्य 21 वाहनों से श्रद्धालुओं के साथ रवाना होंगे। भीलवाड़ा के बड़े चारभुजाजी मंदिर में यजमान रामप्रकाश-मनीष बहेड़िया परिवार, दूदाधारी गोपाल मंदिर में घनश्याम-मुकेश-राकेश सेठिया परिवार, संजय कॉलोनी चारभुजा मंदिर में सत्यनारायण-दिनेश ईनाणी परिवार और मांडल स्थित शेषसहाय चारभुजा मंदिर में कैलाश तोतला परिवार ने श्रद्धालुओं के साथ पत्रिका समर्पित कर भगवान को बारात लेकर पधारने का आमंत्रण दिया। आयोजन समिति संयोजक एस.एन. गग्गड़ ने बताया कि सांवरिया सेठ नौगांवा तथा सुभाषनगर, गायत्रीनगर, पटेलनगर और सांगानेर स्थित चारभुजाजी मंदिरों में 11 नवंबर को लग्न पत्रिका देकर बारात लेकर पधारने का निवेदन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दीपावली के मद्देनजर निर्धारित अंतिम तिथि निकलने के बाद भी श्रद्धालुओं के आग्रह पर धर्म माता-पिता बनने के लिए पंजीयन जारी है। गग्गड़ ने कार्यकर्ताओं से आयोजन को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करने और परिजनों, मित्रों व समाजजनों को महोत्सव से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा में पहली बार हो रहे इस आयोजन में कोई भी श्रद्धालु सहभागी बनने से वंचित न रहे, इसके लिए इच्छुक दंपतियों को शीघ्र पंजीयन के लिए प्रेरित किया जाए। महामहोत्सव के कार्यक्रम 17 नवंबर से शुरू होंगे। 17 से 19 नवंबर तक प्रतिदिन दोपहर 1 से 4 बजे तक मेडिसिटी ग्राउंड पर रुक्मिणी मंगल कथा होगी। कथा का वाचन श्रीविष्णु कृष्ण तनय महाराज करेंगे। मंगल पत्रिका लेखन कार्यक्रम में आयोजन समिति अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी सहित समिति पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

न्यूज इन बॉक्स



विकसित राजस्थान की नींव गांव से होगी मजबूत: राठौड़

जयपुर(नि.सं.)। राज्यवर्धन राठौड़ से झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सरपंचों ने मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सभी नवनिर्वाचित सरपंचों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान झोटवाड़ा के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय समस्याओं के समाधान को लेकर चर्चा हुई। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सरपंचों से अपने-अपने गांवों की जरूरतों के अनुरूप विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने और जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने गांवों के विकास को प्राथमिकता दी है। इसी विजन को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।



राजीविका दिवाली मेले में खरीदारी का उत्साह चरम पर

राजीविका दिवाली मेले के सातवें दिन उमड़े खरीदार, जमकर हुई खरीदारी

जयपुर(नि.सं.)। राजीविका दिवाली मेला-2026 में रौनक अपने चरम पर पहुंच गई है। मेले के सातवें दिन भी बड़ी संख्या में पहुंचे आगंतुकों ने विभिन्न स्टॉल्स पर जमकर खरीदारी की। विजिटर्स ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार हस्तनिर्मित उत्पादों, पारंपरिक हस्तशिल्प और आकर्षक सजावटी सामग्री को खूब पसंद किया। स्टॉल्स पर दिनभर खरीदारों की चहल-पहल बनी रही। दिवाली के त्योहार को खास बनाने के लिए आगंतुकों ने अपनी पसंद के अनुसार सजावटी सामान, पारंपरिक कलात्मक वस्तुओं और विभिन्न घरेलू उपयोग के उत्पादों की खरीदारी की। मेले में राजीविका दीदियों के हुनर, मेहनत और रचनात्मकता की झलक देखने को मिल रही है। यहां हस्तनिर्मित हस्तशिल्प, पारंपरिक कलात्मक वस्तुओं, आकर्षक सजावटी सामग्री, हैंडलूम और घरेलू उपयोग के उत्पादों की विविध रेंज उपलब्ध है। राजस्थान की समृद्ध लोककला और पारंपरिक शिल्पकारी को प्रदर्शित करते इन उत्पादों ने मेले को खास पहचान दी है।



राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन-181 का किया निरीक्षण

शासन सचिव पूर्ण चन्द्र किशन ने राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन-181 का किया निरीक्षण

श्रमिक पंजीयन, छात्रवृत्ति, प्रसूति सहायता और दवाओं की उपलब्धता से जुड़े 11 परिवादों की समीक्षा

श्रम विभाग के 97.98 प्रतिशत परिवादों का निस्तारण, औसत अवधि 13 दिन



जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण के लिए वरिष्ठ अधिकारी राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन-181 पर दर्ज परिवादों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। इसी क्रम में श्रम, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं (ईएसआई) विभाग के शासन सचिव श्री पूर्ण चन्द्र किशन ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन-181 के नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रम विभाग और कर्मचारी राज्य बीमा योजना से जुड़े 11 परिवादों की समीक्षा की। 4 नवंबर 2026 तक श्रम विभाग से संबंधित कुल 47,914 परिवाद दर्ज हुए। इनमें से 46,946 परिवादों का निस्तारण किया जा चुका है और 968 परिवाद लंबित हैं। निस्तारण की औसत अवधि 13 दिन रही। श्री पूर्ण चन्द्र किशन जयपुर की कृष्णा देवी, हनुमानगढ़ के संतोष कुमार और कोटा के विकेश के श्रमिक पंजीयन कार्ड जारी होने में देरी से जुड़े परिवाद शामिल रहे। बूंदी के राजमल सैनी और भीलवाड़ा के मोहम्मद के परिवाद श्रमिक डायरी के नवीनीकरण में देरी से संबंधित थे। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर परिवादियों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिये।

मुख्य सचिव ने नई दिल्ली में की 19 बैठकें

केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव और शहरी विकास सचिव से की मुलाकात





जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने और केंद्र एवं राज्य सरकार के बीच समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अपने दो दिवसीय नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्रियों, केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों एवं अन्य उच्च पदस्थ पदाधिकारियों के साथ 19 बैठकें कीं। इन बैठकों में राजस्थान की महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं, प्रशासनिक विषयों तथा केंद्र सरकार से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्य सचिव ने केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव रचना शाह से मुलाकात कर कार्मिक एवं प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की। इसी दौरान उन्होंने राजस्थान कैडर के अखिल भारतीय सेवा अधिकारियों के साथ आयोजित दीपावली भोज में भी भाग लिया।



ट्रक ने 3 दोस्तों को रौंदा, मौत

रोड पर बिखरे शव, बाइक के उड़े परखच्चे; भाई बोला- बिना बताए घर से निकला था

आबूरोड (वि.सं.)। सिरोही में नेशनल हाईवे-27 (गुजरात से असम) पर ट्रक ने बाइक पर जा रहे तीन युवकों को टक्कर मार दी। तीनों की मौके पर मौत हो गई। तीनों दोस्त थे। शव सड़क पर बिखर गए। वहीं बाइक के परखच्चे उड़ गए। एक्सीडेंट मंगलवार रात 10:30 बजे आबूरोड थाना क्षेत्र के मावल कट के पास हुआ। ड्राइवर मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह ने बताया- आबूरोड से पालनपुर (गुजरात) की ओर जा रहे ट्रक ने आगे चल रही बाइक को टक्कर मार दी।

युवा सेमिनार आयोजित

युवा भविष्य के नहीं, वर्तमान के राष्ट्र निर्माता : वासुदेव देवनानी





जयपुर(नि.सं.)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसकी वास्तविक शक्ति युवा में निहित है। लगभग 140 करोड़ जनसंख्या वाले देश में करीब 60 करोड़ युवा हैं। विशाल युवा शक्ति की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और विचारों को नीति निर्माण में उचित प्रतिनिधित्व आवश्यक है। श्री देवनानी ने कहा कि युवा अब भविष्य के नागरिक ही नहीं, बल्कि वर्तमान के राष्ट्र निर्माता भी है।

विधान सभा अध्यक्ष ने विधानसभा के सदन में किया सशक्त संवाद

समर्थ भविष्य विषय पर आयोजित युवा सेमिनार को सम्बोधित कर रहे थे। राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा द्वारा आयोजित इस युवा संवाद का स्पीकर श्री देवनानी और संघ के सचिव संदीप शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। श्री देवनानी की पहल पर विधान सभा सदन में आरम्भ हुए युवा संवाद का यह छठवां कार्यक्रम है।

प्राचीन वैभव और आधुनिक विकास में समन्वय : देवनानी ने कहा कि भारत आज विश्व में निर्णायक भूमिका निभाने वाले राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। युवाओं की प्रतिभा, परिश्रम, नवाचार और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण योगदान है।



पीएम आवास योजना में 2.83 करोड़ की गड़बड़ी

कार्मिक के सस्पेंड ऑर्डर पर हाईकोर्ट की रोक, ईओ आदेश जारी करने के लिए सक्षम नहीं

बीकानेर(वि.सं.)। बीकानेर की देशनोक नगर पालिका में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करीब 2.83 करोड़ रुपए की कथित वित्तीय गड़बड़ी के मामले में आरोपी कार्मिक सुरेंद्र सिंह टिंडल को राजस्थान हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनके निलंबन आदेश पर रोक लगा दी है। टिंडल की नियुक्ति नगर पालिका बोर्ड के माध्यम से हुई थी। उनके अधिवक्ता परमेंद्र बोहरा ने इसी आधार पर निलंबन की कार्रवाई को चुनौती दी थी। मामले के अनुसार, सुरेंद्र सिंह टिंडल जब प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा का कार्यभार संभाल रहे थे, तब 25 जून 2026 को 84 लाख रुपए के फर्जी बिल पारित किए गए।

सीमा विवाद में किन्नरों के दो गुट भिड़े, आधे घंटे बाधित रहा रक्षपालपुर-कोट मार्ग

दीपावली की बख्शीश मांगने को लेकर हुआ विवाद, सड़क पर जुटी सैकड़ों की भीड़; बाद में दोनों पक्ष पहुंचे थाने

स्मार्ट हलचल



खखरेरू/फतेहपुर दीपावली की बख्शीश मांगने और क्षेत्र के बंटवारे को लेकर बुधवार शाम रक्षपालपुर चौराहे पर किन्नरों के दो गुटों के बीच जमकर हंगामा हुआ। दोनों पक्षों के बीच करीब आधे घंटे से अधिक समय तक तनातनी और नोकझोंक चलती रही। इसके चलते रक्षपालपुर-कोट मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया। त्योहार के मद्देनजर खरीदारी करने पहुंचे लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम करीब चार बजे रवीना गुट के किन्नर रक्षपालपुर में दुकानों पर जाकर दीपावली की बख्शीश मांग रहे थे। इसी दौरान मीना गुट के आधा दर्जन से अधिक किन्नर वहां पहुंच गए और क्षेत्र को अपना बताते हुए विरोध करने लगे। देखते ही देखते दोनों गुटों के एक दर्जन से अधिक सदस्य आमने-सामने आ गए। दोनों पक्ष अपने-अपने क्षेत्र का दावा करते हुए हंगामा करने लगे। हंगामे के कारण रक्षपालपुर-कोट मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। सड़क पर दोनों ओर वाहनों की आवाजाही रुकने से राहगीरों और दुकानदारों को दिक्कत हुई। वहीं, हंगामा देखने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई। काफी देर तक चले विवाद के बाद दोनों गुट क्षेत्र के बंटवारे को लेकर शिकायत करने थाने पहुंचे। इस संबंध में थाना प्रभारी सतपाल सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच सीमा विवाद को लेकर हंगामा हुआ था पुलिस बल मौके पर भेजकर मामला शांत करवाया गया।

बदलती जीवनशैली में सेहत और प्रकृति का संतुलन जरूरी, बालिकाओं-महिलाओं ने लिया संरक्षण का संकल्प...

BRICS सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक के तहत जागरूकता कार्यक्रमों में योग, पौष्टिक आहार, जल और ऊर्जा बचत का दिया संदेश...

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची



ब्यावर । स्वस्थ समाज की नींव स्वस्थ जीवनशैली और स्वच्छ पर्यावरण में छिपी है। इसी सोच को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में BRICS Sustainable Lifestyle Week-2026 के तहत महिला अधिकारिता विभाग की ओर से पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र के माध्यम से 3 एवं 4 नवंबर को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें बालिकाओं और महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की जिम्मेदारी समझाई गई। कार्यक्रम के तहत 3 नवंबर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पटेल स्कूल, ब्यावर में बालिकाओं को नियमित योग, व्यायाम और साइकिलिंग अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें बताया गया कि स्वस्थ शरीर के लिए नियमित शारीरिक गतिविधियां जरूरी हैं। साथ ही वृक्षारोपण को बढ़ावा देने, अधिकाधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया। बालिकाओं को बिजली और पानी की बर्बादी रोकने के उपाय बताते हुए जरूरत नहीं होने पर विद्युत उपकरण बंद रखने तथा दिन में प्राकृतिक रोशनी का उपयोग करने की सलाह दी गई। मक्का, बाजरा और चने जैसे पौष्टिक मोटे अनाज को भोजन में शामिल करने तथा पारंपरिक खाद्य पदार्थों को अपनाने पर भी जोर दिया गया। इसी क्रम में 4 नवंबर को महिलाओं को स्वस्थ दिनचर्या, नियमित योग-व्यायाम और आसपास स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें जल संरक्षण का महत्व बताते हुए 'जल है तो कल है' का संदेश दिया गया। साथ ही अनावश्यक बिजली खर्च रोकने और पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरा-भरा रखने की अपील की गई। कार्यक्रम में राजीविका से जुड़े स्वयं सहायता समूहों की ओर से मोटे अनाज एवं पारंपरिक खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी लगाई गई। इसके माध्यम से पौष्टिक भोजन के महत्व, सतत खाद्य प्रणाली अपनाने और भोजन की बर्बादी रोकने का संदेश दिया गया। अंत में बालिकाओं एवं महिलाओं को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। वहीं बालिकाओं ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता फैलाने और इस सामाजिक कुरीति को समाप्त करने का संकल्प लिया।

भट्टीपुरा पंचायत मे सरपंच एवं उपसरपंच, वार्ड पंचो का शपथ समारोह संपन्न हुआ

स्मार्ट हलचल

दिगोद : भट्टीपुरा ग्राम पंचायत में आज नवनिर्वाचित सरपंच विनोद मेहरा ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला। ग्रामवासियों ने नवनिर्वाचित सरपंच विनोद मेहरा, उपसरपंच मांगीलाल मीणा एवं वार्ड पंचों का माला और साफा पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया तथा नई पंचायत के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। पदभार ग्रहण करने के बाद नवनिर्वाचित सरपंच विनोद मेहरा ने ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत के सभी पांचों गांवों बल्लभपुरा, पांचड़ा , भाटीपुरा, धोरी और जनकपुर में बिना किसी भेदभाव के समानता के साथ विकास कार्य करवाए जाएंगे। पंचायत क्षेत्र के प्रत्येक गांव की समस्याओं को प्राथमिकता से लेकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंचायत का उद्देश्य सभी गांवों को साथ लेकर चलना और ग्रामीणों की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना रहेगा। गांवों में विकास कार्यों को गति देने के साथ ही आमजन की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर राशिद भाई, भोजराज, इंजीनियर रवि मीणा, फरीद खान चंद्र प्रकाश मीणा, गोविंद नागर भंवरलाल मेहर धोरी, किशन लाल मेहरा, बुद्धि पठान रामलाल,बबलू, मोनू, नरेंद्र, मुकेश मीणा, परमानंद, आशीष, मुनेश सरफु रईस अलादीन मोनू गौड़ फिरोज व सभी ग्रामीण मौजूद रहे !



बेटियों की सुरक्षा में न हो कोई चूक, एचपीवी टीकाकरण का लक्ष्य समय पर पूरा करने के निर्देश

जवाजा ब्लॉक में धीमी प्रगति पर सीएमएचओ ने जताई चिंता, 20 नवंबर तक शत-प्रतिशत टीकाकरण कराने की बनाई रणनीति

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची







ब्यावर । बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सुरक्षा कवच देने के लिए जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान को गति देने की कवायद तेज हो गई है। जिला कलक्टर कमल राम मीना के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत ने जवाजा ब्लॉक में अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए 20 नवंबर 2026 तक शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले टीकाकरण की कम उपलब्धि सामने आने पर सीएमएचओ ने जिला मुख्यालय पर सेक्टर प्रभारियों एवं एएनएम की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सेक्टरवार प्रगति का आकलन करते हुए कम उपलब्धि के कारणों पर चर्चा की गई तथा शेष पात्र बालिकाओं तक पहुंच बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। डॉ. गहलोत ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य कार्मिक अपने-अपने क्षेत्र में पात्र बालिकाओं की पहचान कर उनके अभिभावकों से व्यक्तिगत संपर्क करें। उन्हें एचपीवी टीकाकरण के महत्व की जानकारी देकर टीका लगवाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और प्रत्येक पात्र बालिका का टीकाकरण सुनिश्चित करना प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि एचपीवी टीकाकरण केवल सरकारी लक्ष्य पूरा करने का अभियान नहीं, बल्कि बेटियों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। जागरूकता के अभाव में कोई भी पात्र बालिका इस सुरक्षा से वंचित नहीं रहनी चाहिए। इसके लिए सभी कार्मिक पूरी जिम्मेदारी और टीम भावना के साथ काम करें।

नियमित टीकाकरण की कमियों को भी दूर करने पर जोर

बैठक में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। पेंटा-1 एवं एमआर-1 तथा एमआर-1 एवं एमआर-2 के बीच शेष अंतर को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। टीकाकरण से वंचित बच्चों की सूची तैयार कर क्षेत्रवार निगरानी करने और विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित करने पर जोर दिया गया। बैठक में आरसीएचओ डॉ. उदाराम, बीसीएमओ जवाजा डॉ. अनुज गोदोलिया, डीएनओ गौरव गौड़ एवं एलडीसी कैलाश चंद उपस्थित रहे।

सीमलिया सरकारी अस्पताल में न डॉक्टर मिला न ऑक्सीजन, बेटे के हाथों में मां ने तोड़ा दम

स्मार्ट हलचल



कोटा : सिमलिया अस्पताल मे अचानक तबियत बिगड़ने से रमेश बाई को सांस लेने में परेशानी में गए अस्पताल गए थे लेकिन समय पर मदद नहीं मिलने के कारण रमेश बाई की मृत्यु हो गई! परिजनों ने इसकी शिकायत संपर्क पोर्टल पर भेजी ! कोटा से बारां आते समय रास्ते में मां की तबीयत बिगड़ी तो नर्सिंग ऑफिसर बेटा उन्हें लेकर सीमल्या सीएचसी पहुंचा। उम्मीद थी कि अस्पताल में तत्काल इलाज मिल जाएगा, लेकिन वहां न डॉक्टर मिला, न ऑक्सीजन और न ही आपातकालीन दवाइयां। 5 से 10 मिनट तक आवाज लगाने के बावजूद मदद नहीं मिली। आखिरकार ग्रामीणों की मदद से एक क्लिनिक खुलवाया, लेकिन तब तक मां ने बेटे के हाथों में ही दम तोड़ दिया! मृतका के बेटे लोकेशकुमार मीणा बारां के सरकारी अस्पताल में नर्सिंग ऑफिसर हैं। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर की रात 8 बजे वे माता-पिता और भाई के साथ कोटा से बारां आ रहे थे। कराड़िया के पास मां रमेशबाई मीणा (64) को सांस लेने में तकलीफ हुई तो वे तत्काल सीमल्या सीएचसी पहुंचे। अस्पताल में आवाज लगाने और दवाइयां व ऑक्सीजन तलाशने के बावजूद कोई चिकित्सा सहायता नहीं मिली। अस्पताल में मदद नहीं मिलने पर ग्रामीणों की सहायता से एक क्लिनिक खुलवाया गया, लेकिन मां की हालत तब तक गंभीर हो चुकी थी। संपर्क पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही, जिला प्रशासन, बारां सांसद और मुख्यमंत्री से जांच करवाकर लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कोटा सीएमएचओ को कॉल कर संपर्क का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। अस्पताल में नहीं था स्टाफ, एएनएम भी नहीं आई ! सीएचसी प्रभारी डॉ. सौरभकुमार नाटाणी ने मंगलवार को सीएमएचओ को भेजी रिपोर्ट में स्टाफ की कमी को मरीजों की परेशानी का कारण बताया है। अस्पताल में 4 स्टाफ नर्स, एक एलएचवी और 5 एएनएम के पद रिक्त हैं। घटना के दिन अवकाश होने से रात की ड्यूटी एएनएम की थी, लेकिन अचानक कार्य आने से ड्यूटी नहीं कर सकी। 108 एंबुलेंस भी दूसरे केस में गई हुई थी। फील्ड स्टाफ की तैनाती में राजनीतिक हस्तक्षेप का भी उल्लेख है। सीमल्या सीएचसी पर डॉक्टरों के सभी पद रिक्त हैं। यहां मेडिकल से डॉक्टर को डेप्युटेशन पर लगाया है। सीएमएचओ की ओर से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी गई है। इस प्रकरण में जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

- डॉ. राजेश सामर, बीसीएमओ

संक्षिप्त समाचार

वेनेजुएला में चुनाव तैयारियों पर जोर, रुबियो को कमान

वेनेजुएला , एजेंसी। अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने सोमवार को अपने वेनेजुएला के समकक्ष ओलिवर ब्लैंको से मुलाकात की। ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला में चुनाव तैयारियों में तेजी लाने पर जोर दे रहा है। अगले साल चुनाव संभव हैं। दो सप्ताह पहले ही वेनेजुएला ने 2027 में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए एक योजना पर सहमति दी थी। रुबियो ने कहा कि ट्रंप प्रशासन इस प्रक्रिया का बारीकी से पालन करेगा। इसका लक्ष्य एक स्थायी चुनाव प्रणाली स्थापित करना है। यह बैठक ट्रंप प्रशासन और कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण मुलाकात थी। रोड्रिगेज ने जनवरी में अमेरिकी सैन्य अभियान में निकोलस मादुरो को हटाए जाने के बाद पद संभाला था। मादुरो पर मादक पदार्थ तस्करी के आरोप हैं, जिन्हें वह नकारते हैं।

नकाबपोश हमलावरों ने किसान पर जानलेवा हमला किया, पांच गिरफ्तार

डरबन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के उत्तर पश्चिमी प्रांत में हिंसक डकैती के संबंध में पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना में 50 वर्षीय किसान डोनावान मार्क्स को गोली मारी गई और उनके कान काट दिए गए थे। ये संदिग्ध 26 से 56 वर्ष के हैं और मंगलवार को आरोपियों को वेंटर्सडॉर्प मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया जाएगा। उन पर घर में डकैती, हत्या का प्रयास और अवैध हथियार व गोला-बारूद रखने के आरोप हैं। पुलिस ने पहले दो, फिर रविवार को तीन और संदिग्धों को पोटचेफस्ट्रूम के पास पकड़ा। अधिकारियों ने चार हथियार, कपड़े व आभूषण जब्त किए। हमला 28 अक्तूबर को साइफरफोंटेन के एक खेत पर हुआ। तीन नकाबपोश हमलावरों ने किसान को गोली मारी, चाकू से हमला किया, तीन हथियार चुराए और उसके पिकअप वाहन में भाग गए। किसान अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती हुआ था और अब ठीक हो रहा है। मोरल रीजेनरेशन मूवमेंट ने कहा कि किसानों पर हमले खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटी स्टडीज के शोध से पता चला है कि डकैती मुख्य मकसद है, न कि श्वेत किसानों के खिलाफ 'श्वेत नरसंहार' जैसा कोई संगठित अभियान।

वोटिंग से कुछ घंटे पहले अमेरिका का ईरान पर हमला :केश्म द्वीप पर 5 धमाके



तेहरान, एजेंसी। अमेरिका में मंगलवार को मिडटर्म चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। इससे पहले सोमवार को ईरान के केश्म द्वीप पर कम से कम पांच जोरदार धमाके हुए। कुछ दूर पर बंदर लेंगेह शहर में भी विस्फोट की खबर है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अधिकारियों के हवाले से दावा किया है कि यह हमला अमेरिका ने किया है। हालांकि, ईरानी मीडिया ने इसके पीछे अमेरिका या इजराइल का हाथ होने की पुष्टि नहीं की है। उसने अमेरिका के दो एमक्यूएम-170 जासूसी ड्रोन मार गिराने का दावा किया है। केश्म द्वीप करीब 1,445 वर्ग किलोमीटर में फैला, ईरान का सबसे बड़ा द्वीप है। यह कभी फ्री-ट्रेड जोन और टूरिस्ट स्पॉट के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यह एक बड़े सैन्य ठिकाने में बदल चुका है। होर्मुज स्ट्रेट के प्रवेश द्वार पर मौजूद यह द्वीप रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। अमेरिका इसे कई वजहों से बड़ा सैन्य खतरा मानता है। अंडरग्राउंड सैन्य नेटवर्क: रिपोर्ट्स के मुताबिक, केश्म द्वीप के नीचे सुरंगों और नमक की गुफाओं का बड़ा नेटवर्क है। यहां ईरान ने तटीय मिसाइल सिस्टम और तेज हमला करने वाली नौकाएं छिपाकर रखी हैं। समुद्री रास्तों पर नियंत्रण के लिए अहम: द्वीप के अंदर ईरान ने ऐसे सैन्य ठिकाने बनाए हैं, जिनका मकसद समुद्री रास्तों पर नियंत्रण रखना है। माना जाता है कि यहां से होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही रोकी या सीमित की जा सकती है।

एफबीआई ने उत्तर कोरिया पर लगाया क्रिप्टो चोरी का आरोप, भड़की किम जोंग उन की बहन, बताया 'राजनीतिक साजिश'

सोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की उस जांच के नतीजों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज 'बायनैंस' से हुई भारी क्रिप्टोकरेंसी चोरी के लिए प्योंगयांग को जिम्मेदार ठहराया गया था। उत्तर कोरिया ने इसे अपने खिलाफ राजनीतिक साजिश और भड़काऊ कृत्य करार दिया है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने यह टिप्पणी की है। उन्होंने अमेरिकी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के शनिवार के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि 'बायनैंस' के जरिए 6 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की क्रिप्टोकरेंसी चोरी के लिए उत्तर कोरियाई शासन जिम्मेदार है। एफबीआई ने इस चोरी का संबंध उत्तर कोरिया के एक हैकिंग समूह से जोड़ा है, जिसे वे 'ट्रेडर ट्रेटर' कहते हैं। इस नाम का संबंध पहले भी क्रिप्टोकरेंसी की अन्य चोरियों से जोड़ा जा चुका है।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' में प्रकाशित एक बयान में किम ने कहा, 'उत्तर कोरिया (डीपीआरके) को एक 'साइबर अपराधी देश' के रूप में एफबीआई पेश करने की कोशिश कर रही है। उनका दावा है कि उन्हें ऐसी जानकारी मिली है कि इस



घटना में उत्तर कोरिया 'समर्थित' एक हैकिंग संगठन शामिल था।' डीपीआरके, उत्तर कोरिया के आधिकारिक नाम 'डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया' का संक्षिप्त रूप है। बयान में कहा गया, 'यह उत्तर कोरिया के खिलाफ एक गंभीर राजनीतिक साजिश है। अमेरिका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबको गुमराह कर रहा है, मानो दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले सभी साइबर अपराध हमारे ही किए धरे हों।'

उत्तर कोरिया पर पहले भी साइबर चोरी के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन उसने हमेशा इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। किम का किसी हैकिंग घटना पर बयान जारी करना काफी दुर्लभ है। किम ने वाशिंगटन के आरोपों को उत्तर कोरिया की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाने, उसकी गरिमा और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को कम करने की एक 'दुर्भावनापूर्ण' कोशिश बताया। साथ ही, उन्होंने इसे साइबर स्पेस में उत्तर कोरिया की संप्रभुता का एक और गंभीर उल्लंघन करार दिया।

आरोप को वापस वाशिंगटन की ओर मोड़ते हुए उन्होंने कहा, 'पिछले साल जब अमेरिका के मौजूदा प्रशासन ने सत्ता संभाली, तो उसने घोषणा की थी कि वह अवैध रूप से चुराई गई क्रिप्टोकरेंसी को जब्त कर लेगा और उसे देश के रणनीतिक भंडार के रूप में इस्तेमाल करेगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई यह देखे कि 'तथाकथित चुराई गई क्रिप्टोकरेंसी' बरामद होने के बाद किसके पास जाएगी, तो 'उसे इस बात का सुराग मिल सकता है कि इस हैकिंग घटना के पीछे कौन है। 'उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया, वाशिंगटन द्वारा लगातार किए जा रहे उकसावे की हरकतों पर 'करीबी नजर' रख रहा है। किम ने चेतावनी देते हुए कहा, 'अमेरिका के इस बेहद गैरजिम्मेदाराना और शत्रुतापूर्ण रवैये को देखते हुए, हमें कई पहलुओं पर फिर से विचार करने की जरूरत है।' दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उत्तर कोरिया पर लगे साइबर हैकिंग के आरोपों पर किम का यह पहला बयान है।

अधिकारी ने कहा, 'ऐसा लगता है कि उत्तर कोरिया इस मामले को गंभीरता से ले रहा है, क्योंकि बायनैंस हैकिंग की घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके नतीजे सामने आ रहे हैं। इसी वजह से उन्होंने किम के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी है।' अतीत में ऐसे मामलों पर, उत्तर कोरिया आमतौर पर अपने विदेश मंत्रालय के जरिए बयान जारी करके जवाब देता था। अधिकारी ने आगे कहा कि प्योंगयांग अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को लेकर चिंतित है, क्योंकि वह खुद को एक 'सामान्य देश' के रूप में पेश करना चाहता है।

इस बयान को एक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जिसका मकसद उत्तर कोरिया की साइबर गतिविधियों को एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनने से रोकना है। साथ ही, इसके जरिए अमेरिका पर दबाव बनाने की कोशिश की गई है कि वह उस नीति को छोड़ दे, जिसे प्योंगयांग अपने खिलाफ एक 'शत्रुतापूर्ण नीति' मानता है।

मंत्रालय के लिए यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि इस हैकिंग घटना का उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच होने वाली संभावित शिखर वार्ता पर क्या असर पड़ेगा। शिखर वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए ट्रंप की बार-बार की गई पहलों पर उत्तर कोरिया की ओर से कोई जवाब नहीं आया है।

इस माह भारत आ सकते हैं नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह इस महीने के आखिर में नई दिल्ली का दौरा कर सकते हैं। इससे पहले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी का नेपाल दौरा बालेंद्र शाह की तैयारी के लिहाज से अहम होगा।

नेपाल और भारत ने सोमवार को एक साथ घोषणा की कि भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी 4 और 5 नवंबर को काठमांडू का दौरा करेंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय और भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) की ओर से जारी अलग-अलग बयानों में कहा गया कि दो दिवसीय यात्रा के दौरान विक्रम मिस्री नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'दोनों पक्ष नेपाल-भारत संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे, ताकि दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत किया जा सके। मंत्रालय के अनुसार, विक्रम मिसरी नेपाल के वरिष्ठ नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों से भी शिष्टाचार मुलाकात करेंगे। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा के दौरान द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होगी। मंत्रालय ने कहा, 'भारत और नेपाल के बीच मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जिनमें सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। विदेश सचिव की यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्चस्तरीय संवाद की परंपरा को आगे बढ़ाएगी और व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने में मदद करेगी। सूत्रों के मुताबिक, इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री शाह की प्रस्तावित नई दिल्ली यात्रा के संभावित एजेंडे पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। नेपाली अधिकारियों का कहना है कि नेपाल चाहता है कि प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा ठोस परिणाम लेकर आए और उन मुद्दों पर प्रगति हो, जिनमें उसे भारत के सहयोग की जरूरत है। नेपाल अगस्त में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत से एक बड़े सहायता पैकेज की मांग कर सकता है। इसके अलावा नेपाल सीमा विवाद के समाधान, व्यापार संधि में संशोधन और भारत के रास्ते अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अतिरिक्त हवाई प्रवेश बिंदुओं (एयर एंट्री प्वाइंट्स) जैसी मांगों पर भी प्रगति चाहता है। अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के सहयोग से जुड़े कई परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया जा सकता है। बताया गया है कि नई दिल्ली ने पहले मई के दूसरे सप्ताह में विक्रम मिस्री को काठमांडू भेजने की योजना बनाई थी, ताकि प्रधानमंत्री शाह के नेतृत्व में बनी नई सरकार के साथ बातचीत की जा सके।

यूक्रेन में रूस का कहर: राहत केंद्र और शेल्टर पर बरसाए बम, 26 लोगों की मौत; फैली परमाणु हमले की अफवाह

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग में एक बार फिर आम नागरिकों को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। रूस ने सोमवार को दक्षिणी यूक्रेन के जापोरिज्जिया क्षेत्र के कोमिशुवाखा गांव में राहत सामग्री बांटने वाले केंद्र और उसके पास बने शेल्टर को निशाना बनाया। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के मुताबिक, इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस ने इस इलाके पर 10 गाइडेड बम गिराए। उनके मुताबिक, जिस स्कूल की इमारत में लोगों को मानवीय सहायता दी जा रही थी, वह भी हमले की चपेट में आ गई।

रूस को शांति नहीं, और खूनखराबा चाहिए : राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हमले की जानकारी देते हुए रूस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह हमला साफ दिखाता है कि रूस तनाव कम करने के मूड में नहीं है। जेलेंस्की के मुताबिक, एक समय ऐसा था जब दोनों देशों के बीच शांति की दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद दिखाई दे रही थी, लेकिन इस हमले ने उन उम्मीदों को झटका दिया है।

सीजफायर खत्म होते ही फिर तेज हुए हमले : यह हमला ऐसे समय हुआ, जब यूक्रेन के दक्षिणी खेरसॉन इलाके में लागू सीमित युद्धविराम सोमवार को खत्म हो गया। इस समझौते के तहत रूस और यूक्रेन ने अग्रिम मोर्चे के उन इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित निकालने की अनुमति दी थी, जहां हालात बेहद खराब हैं। इन इलाकों में रूसी कब्जे वाले क्षेत्र भी शामिल थे। इसके अलावा सोमवार को यूक्रेनी अधिकारियों ने रूस की ओर से कई ड्रोन हमले किए जाने की भी जानकारी दी।

साइबर हमले के बाद लोगों के मोबाइल पर आए फर्जी अलर्ट : युद्ध के बीच रविवार देर रात यूक्रेन और सोमवार सुबह रूस में एक और परेशानी सामने आई। दोनों देशों के सरकारी इमरजेंसी अलर्ट ऐप हैक कर लिए गए। इसके बाद लोगों के मोबाइल पर फर्जी चेतावनी संदेश भेजे गए। यूक्रेन में लोगों को परमाणु हमले, रेडिएशन का स्तर बढ़ने और रासायनिक खतरे जैसी चेतावनियां मिलीं।

फ्लोरिडा विमान हादसा: को-पायलट ने बॉयफ्रेंड को भेजा था क्या आखिरी संदेश? 17 साल की उम्र में मिला पायलट लाइसेंस

फ्लोरिडा , एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में हुए भीषण विमान हादसे से पहले 20 वर्षीय महिला को-पायलट नथालिया गडेल्हा फिल्गुएरास ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से मदद की गुहार लगाई थी। हादसे से पहले की रेडियो रिकॉर्डिंग में उनकी आवाज सुनी जा सकती है। वह बार-बार 'मे डे, मे डे' कहकर मदद मांग रही थीं। छोटा लीयरजेट विमान टेक्सास के ऑस्टिन से बहामास जा रहा था। इसी दौरान दक्षिण फ्लोरिडा में विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। हादसे से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल से बातचीत में फिल्गुएरास ने बताया कि विमान पर बर्फ जम रही है। उस समय बाहर का तापमान माइनस 47 डिग्री सेल्सियस था। उन्होंने विमान में मध्यम स्तर के झटके आने की भी जानकारी दी। इन झटकों के कारण विमान करीब 700 फीट तक ऊपर-नीचे हो रहा



था। कुछ ही देर बाद उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, 'मे डे, मे डे!' इसके बाद उन्होंने बताया, 'हम 10,000 फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे जा रहे हैं!' उन्होंने आगे कहा, 'हम ओवरस्पीड की स्थिति में हैं और 20,000 फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं... हम जमीन से टकराने वाले हैं।' बाद में एडीएस-बी एक्सचेंज के फ्लाइट डेटा से पता चला कि हादसे से पहले लीयरजेट 60 विमान एक मिनट में 27,000 फीट नीचे गिर गया था। 20 साल की उम्र में कमर्शियल पायलट बनी थीं फिल्गुएरास स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, फिल्गुएरास ने 2023 में पायलट का लाइसेंस हासिल किया था। उस समय उनकी उम्र 17 साल थी और वह वेस्ट बोका रैटन कम्युनिटी हाई स्कूल में सीनियर छात्रा थीं। ब्राजील मूल के परिवार से ताल्लुक रखने वाली फिल्गुएरास का परिवार फ्लोरिडा में रहता है। पायलट लाइसेंस मिलने के बाद वह स्थानीय मीडिया में भी चर्चा में आई थीं, क्योंकि उन्होंने ड्राइविंग लाइसेंस मिलने से पहले ही निजी विमान उड़ाने का लाइसेंस हासिल कर लिया था। उनकी मां के मुताबिक, फिल्गुएरास पिछले नौ महीने से कमर्शियल पायलट के तौर पर काम कर रही थीं। उनकी मां कैमिला गडेल्हा कोर्टेलेटी ने सीएनएन ब्राजील से कहा, 'वह बहुत अच्छी लड़की थी। जिम्मेदार और मेहनती थी... वह को-पायलट थी और कोई फैसला लेने की स्थिति में नहीं थी।'

हादसे से पहले बॉयफ्रेंड को भेजा था क्या संदेश : फिल्गुएरास के पायलट लाइसेंस में जेट विमान उड़ाने की योग्यता दर्ज थी, लेकिन उन्हें उड़ान की कमान संभालने की अनुमति नहीं थी। उनके सौतेले पिता 44 वर्षीय थियागो कोर्टेलेटी ने द न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि फिल्गुएरास को विमान उड़ाने का 1,300 घंटे का अनुभव था। उनके मुताबिक, हादसे से महज 10 मिनट पहले 20 वर्षीय फिल्गुएरास ने अपने बॉयफ्रेंड जस्टिन को मैसेज किया था। कोर्टेलेटी ने बताया, 'उसने बस इतना कहा था।

अगर डेमोक्रेट्स जीते तो मैं बन जाऊंगा 'मिस्टर वीटो' : ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर मध्यावधि चुनावों (मिडटर्म इलेक्शन) में डेमोक्रेट्स कांग्रेस पर नियंत्रण हासिल कर लेते हैं, तो वह भविष्य में उनकी ओर से लाए गए किसी भी कानून को वीटो (अधिकार का इस्तेमाल कर रोकना) कर देंगे। सोमवार को जारी 'न्यूयॉर्क पोस्ट' के पॉडकास्ट 'पॉड फोर्स वन' में मिरांडा डिवाइन को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। लेकिन अगर हम नहीं जीते, तो मैं हर चीज को वीटो कर दूंगा। मैं बस वीटो ही करता रहूंगा।' रविवार को प्रसारित एक प्रीव्यू क्लिप में ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं 'मिस्टर वीटो' बन जाऊंगा।' उन्होंने कहा कि एक-दो महीने तक लगातार वीटो करने के बाद, डेमोक्रेट्स 'खुद चलकर आएंगे और



एक समझौता करेंगे। तीसरे कार्यकाल के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'अगर मुझे मौका मिलता, तो मैं फिर से चुनाव लड़ना पसंद करता, लेकिन संविधान की भाषा बहुत सख्त है। मैं जरूर लड़ना चाहता। हाल ही में एक पोल हुआ था जिसमें मैं बाकी सभी से काफी आगे था। मैं चुनाव लड़ना पसंद करता, लेकिन कोई बात नहीं।' अमेरिकी संविधान का 22वां संशोधन कहता है कि कोई भी व्यक्ति दो बार से अधिक राष्ट्रपति नहीं चुना जा सकता। 80 वर्षीय ट्रंप ने 2016 और 2024 में राष्ट्रपति पद जीता था। उन्होंने कहा, 'हमारे पास अभी दो साल से ज्यादा का समय बचा है। यह काफी लंबा समय होता है। इतने समय में बहुत कुछ किया जा सकता है, और आपने देखा ही है कि हमने अब तक क्या काम किया है।

ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर डेमोक्रेट्स कांग्रेस जीतने के बाद उनके लिए काम करने वाले लोगों के खिलाफ जांच शुरू करते हैं, तो वह उन लोगों को पहले से ही 'माफी' (पार्डन) देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत पड़ी, तो मैं बिल्कुल ऐसा करूंगा... मुझे इसके बारे में सोचने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं बस कर दूंगा। मैंने जे6 (6 जनवरी की घटना) के मामले में भी ऐसा ही किया था। उन्होंने उन पोल (सर्वे) को खारिज कर दिया जिनमें डेमोक्रेट्स को आगे दिखाया गया है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि इन पोल्स में धांधली हुई है। मुझे तो लगता है कि कई पोल करने वाली एजेंसियां तो लोगों को सर्वे के लिए बाहर भेजती ही नहीं हैं। हो सकता है कि वे रिपब्लिकनों के बीच पोल न करते हों, लेकिन मुझे लगता है कि हम काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। मैं रैलियों के आधार पर ऐसा कह रहा हूं।' ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर डेमोक्रेट्स हाउस, सीनेट और बाद में व्हाइट हाउस जीत जाते हैं, तो 'हमारा देश खत्म हो जाएगा। ज्यादातर पब्लिक पोल में हाउस जीतने के मामले में डेमोक्रेट्स का पलड़ा भारी दिख रहा है। रविवार को जारी न्यू यॉर्क टाइम्स/सिएना के अंतिम पोल के अनुसार, कंसास, ओहियो, मेन, टेक्सास और मिशिगन में डेमोक्रेटिक सीनेट उम्मीदवार 5 से 11 अंकों से आगे चल रहे हैं।

मेक्सिको: स्कूलों में बच्चे नहीं इस्तेमाल कर सकेंगे फोन, सरकार ने लगाया प्रतिबंध

मेक्सिको सिटी , एजेंसी। मेक्सिको में अब स्कूलों में पढ़ाई के दौरान मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लागू होने जा रहा है। सरकार का कहना है कि इस फैसले का मकसद बच्चों और किशोरों को मोबाइल की लत, तनाव और पढ़ाई के दौरान ध्यान भटकने जैसी समस्याओं से बचाना है। हालांकि, देश के कई हिस्सों में माता-पिता इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी चिंता बच्चों की सुरक्षा को लेकर है। मेक्सिको के कई इलाकों में संगठित अपराध और गोलीबारी की घटनाएं होती रहती हैं। ऐसे में माता-पिता का कहना है कि अगर बच्चों के पास मोबाइल नहीं होगा तो किसी आपात स्थिति में वे उनसे संपर्क कैसे कर पाएंगे। सरकार ने स्कूलों में मोबाइल के इस्तेमाल पर रोक लगाई है, लेकिन इस फैसले ने बच्चों की पढ़ाई और उनकी सुरक्षा के बीच बहस छेड़ दी है। यह प्रतिबंध राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम की सरकार की पहल का हिस्सा है। इसके तहत प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में पूरे स्कूल समय के दौरान मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, कुछ खास परिस्थितियों में छूट दी गई है। छात्र शिक्षक के निर्देश पर पढ़ाई से जुड़े काम के लिए मोबाइल इस्तेमाल कर सकेंगे। इसके अलावा निजी आपात स्थिति, दिव्यांगता और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों में भी फोन के इस्तेमाल की अनुमति होगी। छात्र स्कूल आने-जाने के दौरान अपने साथ मोबाइल रख सकते हैं। यानी प्रतिबंध का मुख्य उद्देश्य स्कूल के अंदर पढ़ाई



के समय मोबाइल के इस्तेमाल को रोकना है। सरकार का मानना है कि इससे बच्चों का डिजिटल उपकरणों पर निर्भर रहना कम होगा और वे पढ़ाई पर बेहतर ध्यान दे सकेंगे।

सरकार ने मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने का फैसला क्यों किया : मेक्सिको सरकार का कहना है कि बच्चों और किशोरों में डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल से कई तरह की परेशानियां सामने आ रही हैं। इनमें मोबाइल की लत, ध्यान की कमी, तनाव और बेचैनी जैसी समस्याएं शामिल हैं। देश के शिक्षा मंत्री मारियो डेलगाडो ने प्रतिनिधि सभा में कहा कि राष्ट्रपति शीनबाम की सरकार का उद्देश्य बच्चों को डिजिटल प्लेटफॉर्म की लत और उससे पैदा होने वाली परेशानियों से बचाना है।

सरकार इसी महीने डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए नए नियम भी लागू करने की तैयारी कर रही है। इन नियमों के तहत प्लेटफॉर्म को नफरत फैलाने वाली पोस्ट, दुर्व्यवहार, यौन हिंसा, उत्पीड़न, साइबर बुलिंग और अन्य गैरकानूनी सामग्री हटानी होगी। सरकार का मानना है कि बच्चों को डिजिटल दुनिया के नुकसान से बचाने के लिए स्कूलों में मोबाइल पर नियंत्रण जरूरी है।

यूके में स्थायी निवास नियम: गृह मंत्रालय के फैसले से भारतीयों को लाभ, केयर वर्कर पर शबाना महमूद का रुख क्या?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में स्थायी निवास से जुड़े नियम पर सरकार ने अहम फैसला लिया है। गृह मंत्रालय के नए फैसले से भारतीयों को लाभ होगा। केयर वर्कर से जुड़े इस नियम को लेकर गृह मंत्री शबाना महमूद अपने सख्त रुख से पीछे हटी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार विदेशी केयर वर्कर के लिए स्थायी निवास की प्रतीक्षा अवधि को तीन गुना करने के अपने पहले के सख्त रुख से पीछे हट गई। इस कदम से हेल्थ एंड सोशल केयर वीजा मार्ग का उपयोग करने वाले कई भारतीयों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। एक साल तक चले सार्वजनिक परामर्श के बाद, महमूद ने संसद को बताया कि वह एक 'निष्पक्ष समझौते' पर पहुंची हैं। इसके तहत कोविड महामारी के बाद देश की सेवा करने वाले केयर वर्कर को पांच साल में स्थायी निवास की अनुमति दी जाएगी।

कितने भारतीय लोगों को वीजा विस्तार का लाभ मिला: सोमवार को गृह कार्यालय ने इस साल के नवीनतम आंकड़े जारी किए। इसके अनुसार, दिसंबर 2025 को समाप्त हुए वर्ष में हेल्थ एंड सोशल केयर श्रेणी के तहत 1,04,555 वीजा विस्तार पाने वाले श्रमिकों में भारतीय सबसे आगे हैं। इनमें से अधिकांश अब अपनी अनिश्चितकालीन निवास अनुमति (आईएलआर) के लिए मूल रूप से निर्धारित पांच साल की समय-सीमा के भीतर पात्र



होंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने एक बयान में कहा कि लोग एक ऐसी आव्रजन प्रणाली देखना चाहते हैं जो नियंत्रण, योगदान और नियमों का पालन करने वालों को पुरस्कृत करने पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि ये प्रस्ताव इसी सिद्धांत पर आधारित हैं और हमारे देश में विदेशी श्रमिकों के योगदान को मान्यता देते हैं। आव्रजन नियमों में क्या बदलाव हुए हैं बर्नहैम ने कहा कि ब्रेग्जिट के बाद पिछली सरकार ने आव्रजन पर नियंत्रण खो दिया था, जिससे संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। उन्होंने गृह सचिव के इस समस्या को संभालने के प्रयासों का पूरा समर्थन किया। उन्होंने दोहराया कि यह 'केवल निष्पक्ष' है कि देश में सबसे मूल्यवान योगदान देने वाले प्रवासियों को जल्दी स्थायी निवास का अवसर दिया जाए। अन्य भूमिकाओं में काम करने वालों को अधिक समय तक इंतजार करना होगा। जो लोग प्रणाली का दुरुपयोग करते हैं या अवैध रूप से आते हैं, उन्हें अस्वीकार कर दिया जाएगा या उन्हें भी अधिक समय तक इंतजार करना होगा। गृह कार्यालय ने पुष्टि की है कि कोविड-19 महामारी से जूझ रहे ब्रिटेन में केयर वर्कर के योगदान को देखते हुए, जो लोग अपने वीजा की शर्तों को पूरा करते हैं और सालाना कम से कम 25,000 पाउंड कमाते हैं, वे पांच साल के बाद स्थायी निवास कर सकेंगे। भारतीयों को कैसे मिलेगा लाभ और कौन जल्दी स्थायी निवास कर पाएगा? शबाना महमूद के माता-पिता ने कश्मीर से ब्रिटेन प्रवास किया था। उन्होंने अपने परिवार के अनुभव का उल्लेख किया। उन्होंने 'अर्जित स्थायी निवास' प्रवास योजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया। इन योजनाओं में अधिक आय वालों को स्थायी निवास के लिए तेज मार्ग से पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि केयर वर्कर वीजा मार्ग का भी 'दुरुपयोग' किया गया था। बेईमान और शोषणकारी कंपनियां ऐसे श्रमिकों को प्रायोजित कर रही थीं, जिनके लिए वास्तव में कोई नौकरी मौजूद नहीं थी। जो लोग पांच साल के स्थायी निवास के लिए योग्य नहीं हैं, जो कुल संख्या का लगभग एक चौथाई है, उन्हें एक नए पांच साल के वीजा के माध्यम से योगदान करने का दूसरा मौका दिया जाएगा। गृह कार्यालय ने कहा है कि वे इन वीजा को पूरा करने के बाद ही स्थायी निवास के लिए आवेदन कर पाएंगे। इसी तरह का दृष्टिकोण स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में सार्वजनिक सेवा कर्मियों पर भी लागू होगा, जो इसी अवधि के दौरान पहुंचे थे।

सिर्फ 30 दिन

रोजाना एक कटोरी दाल खाकर देखें... शरीर में फर्क आप खुद करेंगे महसूस !

हम सभी एक पौष्टिक और स्वस्थ आहार लेना चाहते हैं। हम अक्सर ऐसे विकल्पों की तलाश में रहते हैं जो हमें फिट रखने और हमारे शरीर को फायदा पहुंचाने में मदद करें। इंटरनेट पर कुछ खोजने के बजाय अपनी रसोई की अलमारियों में दालें ढूंढ़ें। दुनिया भर के कई देशों में दालें मुख्य आहार का हिस्सा हैं, इनमें पोटैशियम, आयरन और फोलेट जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जो कई तरह से स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। रोजाना एक कटोरी दाल खाने से आपके स्वास्थ्य में आश्चर्यजनक बदलाव आ सकते हैं। आप दाल को अपने सूप या सलाद में भी शामिल कर सकते हैं

रोजाना एक कटोरी दाल खाने के आश्चर्यजनक फायदे

अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो दाल एक बेहतरीन विकल्प है, यह वजन घटाने में मददगार है। दाल में कैलोरी कम होती है और यह प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होती है। इसे खाने से आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है और आपकी बार-बार खाने की इच्छा (क्रेविंग्स) कम हो जाती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। 2016 में 'अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन' में प्रकाशित एक अध्ययन में, वजन घटाने और वजन प्रबंधन पर नियमित रूप से दाल खाने के असर की जांच की गई, जिसमें इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले।

प्रोटीन और फाइबर भरपूर मिलता है

दालों में प्रोटीन और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। अगर आप प्लांट-बेस्ड (पौधों पर आधारित) डाइट ले रहे हैं तो ये आपके लिए बहुत जरूरी हैं। एक कप पकी हुई दाल में लगभग 18 ग्राम प्रोटीन होता है। यह प्रोटीन के अन्य विकल्पों, जैसे 5 औंस (१५) ग्रीक योगर्ट या दो बड़े अंडों की तुलना में कहीं अधिक है। इतनी ही मात्रा में 15.6 ग्राम फाइबर भी मिलता है, जो इस पोषक तत्व की दैनिक जरूरत का लगभग 56% है। मांसपेशियों के काम करने, हड्डियों की मजबूती और हार्मोन को नियंत्रित रखने के लिए पर्याप्त प्रोटीन लेना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ टाइप 2 डायबिटीज, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर जैसी पुरानी बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद करते हैं।

ब्लड शुगर लेवल को करता है कंट्रोल

दालों में मौजूद फाइबर ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में भी मदद करता है। चूंकि इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिसका मतलब है कि ये ब्लड ग्लूकोज (शुगर) लेवल को अचानक से नहीं बढ़ाती हैं, इसलिए रिसर्च बताती है कि खाने के बाद ब्लड शुगर लेवल को स्थिर रखने में दालें मददगार हो सकती हैं। एक अन्य स्टडी में पाया गया कि चावल या इंस्टेंट आलू के साथ दाल मिलाकर खाने से, केवल चावल या आलू खाने की तुलना में ब्लड शुगर लेवल कम रहता है। अन्य फलियों की तरह, दालें भी कई तरह से दिल की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। कुछ स्टडीज बताती हैं कि रोजाना सिर्फ एक चौथाई कप दाल खाने से भी हाइपरटेंशन (हाई ब्लड प्रेशर) और दिल की बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। इसके अलावा, अन्य सबूतों से पता चलता है कि दालें स्वस्त्र (यानी 'खराब') कोलेस्ट्रॉल और कुल कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने का एक असरदार तरीका हो सकती हैं, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

वजन नियंत्रित करने में मददगार

पास्ता नूडल्स या बेकिंग में किसी अन्य सामग्री की जगह दालों का इस्तेमाल करने से, वजन को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। शोध बताते हैं कि प्रोटीन और फाइबर से भरपूर आहार, वजन घटाने और उसे नियंत्रित रखने का एक असरदार तरीका हो सकता है। शरीर को इन पोषक तत्वों को पचाने में ज्यादा समय लगता है, जिससे आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। इससे आपकी भूख कम हो सकती है और आप कुल मिलाकर कम कैलोरी ले सकते हैं। कुछ शुरुआती सबूतों से पता चलता है कि दालें शरीर में फैट को पचाने और सोखने की प्रक्रिया से जुड़े कुछ एंजाइमों में बदलाव लाने में भी मदद कर सकती हैं। हालांकि, इस बारे में अभी और शोध की जरूरत है।



पेट में गैस बनने पर शरीर में कहां-कहां होता है दर्द, जानें इसके लक्षण



खाना खाने के बाद पेट फूलना, डकार आना या पेट में ऐंठन होना आम समस्या है। कई बार पाचन तंत्र में गैस जमा होने के कारण पेट के ऊपरी या निचले हिस्से में दर्द और भारीपन महसूस हो सकता है। कुछ लोगों को पेट के दाईं या बाईं तरफ भी दर्द होता है। वहीं, एसिड रिफ्लक्स के कारण छाती में जलन महसूस हो सकती है। लेकिन ध्यान रखें कि छाती या पीठ में होने वाला हर दर्द गैस की वजह से नहीं होता। ऐसे में लक्षणों को समझना और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। आइए जानते हैं शरीर में गैस का दर्द कहां-कहां महसूस हो सकता है और किन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द और भारीपन

पाचन तंत्र में गैस जमा होने पर पेट के ऊपरी हिस्से में दबाव, भारीपन या ऐंठन महसूस हो सकती है। खाना खाने के बाद पेट भरा-भरा लगना, बार-बार डकार आना और पेट फूलना भी इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ लोगों को गैस निकलने या डकार आने के बाद राहत मिल सकती है।

पेट के निचले हिस्से में दर्द

आंतों में गैस जमा होने पर पेट के निचले हिस्से में मरोड़ या ऐंठन हो सकती है। कभी दर्द एक जगह महसूस होता है, तो कभी पेट के अलग-अलग हिस्सों में होने लगता है। कुछ लोगों को गैस पास करने या मल त्याग के बाद राहत मिलती है। हालांकि, अगर पेट के निचले हिस्से में दर्द लगातार बना रहे, बढ़ता जाए या इसके साथ बुखार और उल्टी हो, तो इसे केवल गैस समझकर नजरअंदाज न करें।

छाती में दर्द या जलन

गैस और एसिड रिफ्लक्स के कारण कुछ लोगों को छाती में जलन, खट्टी डकार या सीने के पीछे असहजता महसूस हो सकती है। लेकिन छाती में दर्द दिल से जुड़ी समस्या का संकेत भी हो सकता है। अगर छाती में दबाव या जकड़न हो, दर्द बांह, जबड़े या पीठ तक फैले, सांस लेने में परेशानी हो, ठंडा पसीना आए या चक्कर महसूस हों, तो तुरंत आपातकालीन चिकित्सा सहायता लें। नए या बिना स्पष्ट कारण वाले छाती के दर्द को गैस मानकर घर पर इंतजार करना सुरक्षित नहीं है।

पेट के दाईं या बाईं तरफ दर्द

आंतों में गैस जमा होने से पेट के दाएं या बाएं हिस्से में खिंचाव, दबाव या ऐंठन महसूस हो सकती है। यह दर्द कभी हल्का तो कभी ज्यादा परेशान करने वाला हो सकता है। हालांकि, पेट के किसी एक हिस्से में तेज या लगातार दर्द होने की वजह पित्ताशय, अपेंडिक्स या दूसरे अंगों से जुड़ी समस्या भी हो सकती है। इसलिए दर्द की जगह के आधार पर खुद से यह तय न करें कि समस्या केवल गैस की है।

पीठ में दर्द या असहजता

कुछ लोगों को पेट फूलने या पाचन संबंधी परेशानी के साथ पीठ में भी असहजता महसूस हो सकती है। हालांकि, पीठ दर्द के कई दूसरे कारण भी होते हैं, जैसे मांसपेशियों में खिंचाव, रीढ़ से जुड़ी समस्या या किडनी की परेशानी। अगर पेट और पीठ में एक साथ तेज दर्द हो, दर्द लगातार बना रहे या इसके साथ उल्टी, बुखार अथवा पेशाब में परेशानी हो, तो डॉक्टर से जांच करवाएं।



गैस बनने पर कौन-से लक्षण दिख सकते हैं?

गैस या पेट फूलने के साथ आमतौर पर ये लक्षण दिखाई दे सकते हैं:
बार-बार डकार आना
पेट में दबाव या भारीपन महसूस होना
पेट फूलना और पेट में ऐंठन या मरोड़
सामान्य से अधिक गैस पास होना
पेट भरा हुआ महसूस होना
ये लक्षण गैस की समस्या में दिखाई दे सकते हैं, लेकिन केवल इनके आधार पर किसी बीमारी की पुष्टि नहीं की जा सकती।
कब डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है?
अगर पेट दर्द बार-बार हो रहा है, लंबे समय तक बना रहता है या रोजमर्रा के काम प्रभावित करता है, तो डॉक्टर से सलाह लें। मल में खून आना, बिना वजह वजन कम होना, लगातार उल्टी, दस्त या कब्ज के साथ दर्द होना भी जांच की जरूरत का संकेत हो सकता है। अचानक या तेज छाती का दर्द, सांस लेने में परेशानी, ठंडा पसीना या दर्द का बांह और जबड़े तक फैलना आपातकालीन स्थिति के संकेत हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता लें।

रोजाना एक लहसुन खाने से सेहत को मिलते हैं कई फायदे

भारतीय रसोई में लहसुन का इस्तेमाल दाल, सब्जी और कई तरह के पकवानों का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसकी तेज खुशबू और स्वाद के अलावा इसमें मौजूद कुछ प्राकृतिक यौगिक भी इसे खास बनाते हैं। यही वजह है कि घरेलू नुस्खों में लहसुन को लंबे समय से जगह मिली हुई है। लेकिन क्या रोजाना लहसुन की एक कली खाने से सच में सेहत को फायदा हो सकता है? डॉक्टर सलीम जैदी के मुताबिक, लहसुन में एलिसिन नाम का सक्रिय यौगिक बनता है, जिस पर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल से जुड़े संभावित फायदों को लेकर अध्ययन किए गए हैं। हालांकि, इसका असर हर व्यक्ति में एक जैसा नहीं होता और लहसुन को किसी बीमारी की दवा का विकल्प नहीं समझना चाहिए। आइए जानते हैं रोजाना लहसुन खाने के संभावित फायदे, इसे खाने का सही तरीका और किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए।

रोजाना एक लहसुन खाने से क्या फायदे हो सकते हैं

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मिल सकती है मदद

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए लहसुन को संतुलित आहार का हिस्सा बनाया जा सकता है। कुछ अध्ययनों में लहसुन से बने सप्लीमेंट्स के सेवन से ब्लड प्रेशर में थोड़ी कमी देखी गई है। माना जाता है कि इसमें मौजूद सक्रिय यौगिक रक्त वाहिकाओं के कामकाज को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, इस बात के पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं कि रोजाना सिर्फ एक कच्ची कली खाने से ब्लड प्रेशर निश्चित रूप से नियंत्रित हो जाएगा। अगर आपको हाई बीपी है, तो डॉक्टर की बताई दवा नियमित लेते रहें और समय-समय पर अपना ब्लड प्रेशर जांचते रहें। लहसुन को इलाज का विकल्प न बनाएं।

बैड कोलेस्ट्रॉल कम करने में हो सकता है सहायक

शरीर में एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने पर दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। कुछ शोधों में पाया गया है कि लहसुन से बने सप्लीमेंट्स बढ़े हुए कुल कोलेस्ट्रॉल और एलडीएल के स्तर को मामूली रूप से कम करने में मदद कर सकते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि रोजाना एक कली लहसुन खाने से कोलेस्ट्रॉल 10 से 15 प्रतिशत तक जरूर कम हो जाएगा। इसका असर व्यक्ति की सेहत, खानपान और इस्तेमाल किए जाने वाले लहसुन के प्रकार पर निर्भर कर सकता है। कोलेस्ट्रॉल को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह से दवा लेना जरूरी है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को स्वस्थ रखने में मदद

लहसुन में सल्फर युक्त यौगिक और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। ये शरीर में होने वाली कुछ जैविक प्रक्रियाओं में भूमिका निभाते हैं। इसी कारण लहसुन और रोग प्रतिरोधक क्षमता के बीच संबंध को लेकर वैज्ञानिक अध्ययन किए गए हैं। हालांकि, अभी इस बात के पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं कि रोजाना एक कच्ची कली लहसुन खाने से सर्दी-जुकाम या दूसरे संक्रमणों से निश्चित रूप से बचा जा सकता है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाए रखने के लिए पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद, नियमित शारीरिक गतिविधि और साफ-सफाई का ध्यान रखना भी जरूरी है।

दिल की सेहत के लिए हो सकता है फायदेमंद

ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल जैसे जोखिम कारकों को नियंत्रित रखना दिल की सेहत के लिए जरूरी है। लहसुन पर हुए कुछ शोधों में इन कारकों पर संभावित सकारात्मक असर देखा गया है। इस वजह से इसे संतुलित खानपान का हिस्सा बनाया जा सकता है। फिर भी, सिर्फ लहसुन खाने से दिल की बीमारी से बचाव होने की गारंटी नहीं है। दिल को स्वस्थ रखने के लिए धूम्रपान से दूरी, नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच अधिक महत्वपूर्ण हैं।

लहसुन का सेवन करने के लिए इन बातों का ध्यान रखें

लहसुन को कुचलकर रखें: कली को छीलकर हल्का कुचल लें और करीब 10 मिनट के लिए छोड़ दें।

कच्चा खाना जरूरी नहीं: अगर कच्चा लहसुन खाने से पेट में जलन होती है, तो इसे भोजन में पकाकर इस्तेमाल कर सकते हैं।

कम मात्रा से शुरुआत करें: हर व्यक्ति की पाचन क्षमता अलग होती है। कच्चा लहसुन कुछ लोगों को सूट नहीं करता।

खाली पेट खाना जरूरी नहीं: ऐसा कोई पक्का प्रमाण नहीं है कि लहसुन खाली पेट खाने से ही अधिक फायदा मिलता है। इसे अपनी सहनशीलता के अनुसार भोजन के साथ भी लिया जा सकता है।

ध्यान रखें कि रोजाना एक कली लहसुन खाने की कोई ऐसी सार्वभौमिक मात्रा तय नहीं है, जो हर व्यक्ति के लिए जरूरी या फायदेमंद हो।

लहसुन खाने का सही तरीका क्या है

डॉक्टर सलीम जैदी के बताए तरीके के अनुसार, लहसुन को छीलकर कुचलने के बाद कुछ मिनट के लिए छोड़ना उपयोगी हो सकता है। लहसुन को कुचलने या काटने पर उसमें एलिसिन बनने की प्रक्रिया शुरू होती है। इसे करीब 10 मिनट तक रखने की सलाह इसी प्रक्रिया से जुड़ी है।

किन लोगों को लहसुन खाने में सावधानी बरतनी चाहिए?

लहसुन आमतौर पर खाने में इस्तेमाल की जाने वाली मात्रा में अधिकतर लोगों के लिए सुरक्षित होता है, लेकिन कच्चा लहसुन कुछ लोगों में पेट दर्द, गैस, सीने में जलन या मतली की परेशानी बढ़ा सकता है। अगर आप खून पतला करने वाली दवाएं लेते हैं, तो लहसुन के सप्लीमेंट्स लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। इनसे रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है। अगर आपकी सर्जरी होने वाली है, तो डॉक्टर को लहसुन के सप्लीमेंट्स के इस्तेमाल के बारे में जरूर बताएं। अगर लहसुन खाने से पेट में परेशानी या एलर्जी होती है, तो इसका सेवन बंद करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से संपर्क करें। हाई ब्लड प्रेशर या कोलेस्ट्रॉल की दवा ले रहे हैं, तो लहसुन के भरोसे दवा बंद न करें। खासतौर पर लहसुन के सप्लीमेंट्स और सामान्य भोजन में इस्तेमाल होने वाले लहसुन के प्रभाव अलग हो सकते हैं। इसलिए अधिक मात्रा में सेवन या सप्लीमेंट्स लेने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है।



आईसीसी रैंकिंग: टेस्ट में स्टार्क फिर बने नंबर-1, टी20 में अय्यर 7वें पायदान पर पहुंचे

दुबई, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में फिर से टॉप स्थान हासिल कर लिया है। बुधवार को जारी ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। केप टाउन में तीन मुकाबलों की सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में नौ विकेट लेने के बाद, स्टार्क एक स्थान ऊपर चढ़कर साउथ अफ्रीका के मार्को जानसेन से आगे निकल गए। ऑस्ट्रेलिया के इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 881 की अपनी करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और नंबर 1 की पोजीशन वापस पा ली। इससे पहले अगस्त में, भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर स्टार्क पहली बार रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे थे। हालांकि, गेबेरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में छह विकेट लेने के बाद जानसेन टॉप पर आ गए थे। केप टाउन टेस्ट में साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी केवल तीन विकेट ही ले सके, जिसका फायदा उठाते हुए स्टार्क फिर से टॉप पर पहुंच गए।

साउथ अफ्रीका के साइमन हार्मर को भी इस ताजा रैंकिंग अपडेट से काफी फायदा हुआ। न्यूलैंड्स में उन्होंने मैच जिताऊ प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में छह विकेट चटकाए, जिससे उनकी टीम को जीत और सीरीज अपने नाम करने में मदद मिली। इस प्रदर्शन के दम पर यह ऑफ-स्पिनर नौ स्थान की छलांग लगाकर सातवें नंबर पर पहुंच गया है। अब वह अपने साथी खिलाड़ी कगिसो रबाडा से एक स्थान आगे हैं।



टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप स्थान गंवाने के बावजूद, जानसेन ने टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। तीसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाने के बाद उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की। ??इस सूची में वियान मुल्डर एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं, जबकि हार्मर तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एडेन मार्करम एक स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि मुल्डर सात स्थान की बढ़त के साथ 17वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों में रयान रिकेल्टन ने सबसे बड़ी छलांग लगाई है; वह 25 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं और उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी हासिल की है।

ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन और एलेक्स कैरी ने भी अपनी स्थिति में सुधार किया है। वे क्रमशः तीन और दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर आ गए हैं। मीरपुर में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत के बाद, वेस्टइंडीज के बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स 12 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों जोमेल वारिकन और रोस्टन चेस ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। वारिकन टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रोस्टन चेस ऑलराउंडरों की सूची में संयुक्त रूप से 23वें स्थान पर आ गए हैं। इस बीच, पाकिस्तान में खेली गई ट्राई-सीरीज के समापन के बाद, पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ ने वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में अच्छी प्रगति की है। अफरीदी एक स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि रऊफ पांच स्थान की बढ़त के साथ 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

पाकिस्तानी ओपनर फखर जमां वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नौ स्थान ऊपर चढ़कर 37वें नंबर पर आ गए हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट एक स्थान के सुधार के साथ छठे नंबर पर पहुंचे, जबकि श्रीलंका के पवन रत्नायके ने 20 स्थानों की शानदार छलांग लगाई है और वे 16वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 रैंकिंग में, न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की सीरीज जीत के बाद श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी सूची में सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स भी 13 स्थान ऊपर चढ़कर टी20 बल्लेबाजों की सूची में 24वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 गेंदबाजों में, न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर दो स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी जैकब डफी ने 23 स्थानों की बड़ी छलांग लगाई है और वे 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तानी ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने भी अपनी स्थिति बेहतर की है। यूएई में जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का प्रदर्शन करने के बाद, वे टी20 ऑलराउंडरों की रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

किंग कोहली की ऐतिहासिक उपलब्धि

वनडे में एक और बड़े रिकॉर्ड पर किया कब्जा

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेली जा रही 5 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली अपने बल्ले के दम पर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम करने में कामयाब रहे हैं। ऑकलैंड के ईडन पार्क के भारत और न्यूजीलैंड की टीम के बीच में पहला मुकाबला खेला जा रहा है, जिसमें कीवी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 185 रनों का स्कोर बनाकर सिमट गई जिसके बाद टारगेट का पीछा करते हुए टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में एक के स्कोर पर रोहित शर्मा आउट हो गए, जिसके बाद नंबर-3 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे विराट कोहली ने अपनी पारी का 12वां रन पूरा करने के साथ नंबर-3 की पोजीशन पर 13000 रनों का आंकड़ा पूरा करने वाले वनडे में पहले बल्लेबाज बन गए हैं।



कोहली ने फील्डिंग में भी दिखाया था कमाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड वनडे मैच में विराट कोहली का फील्डिंग में शानदार अंदाज देखने को मिला जब उन्होंने नेथन स्मिथ का अंशुल कंबोज की गेंद पर दूसरी स्लिप पर शानदार कैच पकड़ा था। इस कैच को पकड़ने के बाद जहां कोहली भी काफी जोश में नजर आए तो टीम इंडिया के बाकी खिलाड़ियों के चेहरे पर भी खुशी देखने को मिली थी।

वनडे में नंबर-3 की पोजीशन पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

विराट कोहली (भारत) - 13005 रन*
रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया) - 12662 रन
कुमार संगकारा (श्रीलंका) - 9747 रन
जैक कैलिस (साउथ अफ्रीका) - 7774 रन
केन विलियमसन (न्यूजीलैंड) - 6504 रन.

कोहली ने सचिन के बाद ऐसा करने वाले बने पहले खिलाड़ी

विराट कोहली वनडे क्रिकेट इतिहास में किसी एक बैटिंग पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए सचिन तेंदुलकर के बाद पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जो 13000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके। कोहली ने वनडे फॉर्मेट में नंबर-3 की पोजीशन पर अब तक 254 मैचों की 251 पारियों में बल्लेबाजी की है जिसमें वह 61 के औसत से 13000 से अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके। वहीं वनडे में कोहली के अलावा रिकी पोंटिंग सिर्फ दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो नंबर-3 की पोजीशन पर 10000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके हैं। विराट कोहली के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में अभी कई और कीर्तिमान अपने नाम करने का शानदार मौका रहने वाला है।

'मैं अब युवा नहीं रही, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिया ब्रेक': पीवी सिंधु

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सिंधु इस टूर्नामेंट के लिए ही ब्रेक लिया था। जापान ओपन सुपर 750 और जर्मनी में हाइलो ओपन में जीत हासिल करने के बाद पीवी सिंधु का आत्मविश्वास बढ़ा है। 2022 के बाद यह पहला सीजन है जिसमें सिंधु ने कई बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने सारब्रुकेन में टूर्नामेंट से पहले फ्रेंच ओपन का फाइनल भी खेला था, लेकिन वह दुनिया की नंबर 1 और पेरिस 2024 चैंपियन कोरिया की एन से-यंग से हार गई थीं। हाइलो ओपन जीतने के कुछ दिनों बाद, सिंधु ने



कोरिया ओपन और जापान मास्टर्स छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनका शुरुआती प्लान सभी टूर्नामेंट खेलने का था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने शरीर की सुनने और दिसंबर में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए आराम करने और फिट होने का फैसला किया। बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित मीडिया बातचीत के दौरानएक सवाल पर सिंधु ने कहा, 'लंबा टूर खेलने के बाद, मैंने सोचा था कि मैं कोरिया ओपन और उसके बाद के टूर्नामेंट नहीं खेल पाऊंगी, लेकिन मेरे लिए वापस आकर आराम करना भी जरूरी था। मेरे लिए अपने शरीर का ध्यान रखना और अगले टूर्नामेंट के लिए फिट होना जरूरी था। यही प्लान था। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह फैसला लेना जरूरी था कि मैं नहीं खेलूंगी। मुझे अपने शरीर का ध्यान रखना है और कोर्ट पर फिर से मजबूती से वापस आना है। ' सिंधु ने कहा, 'मैं अब जवान नहीं रही, लेकिन मैंने यह भी कहा कि 31 अब नया 21 है, इसलिए मुझे अपने शरीर का ध्यान रखना है। '

नया 3म15 स्कोरिंग सिस्टम 4 जनवरी, 2027 से लागू होगा। सिंधु ने यह भी बताया कि क्या यह गेम को बदल देगा और क्या उनका गेम नए पॉइंट सिस्टम के हिसाब से सही होगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को शुरू से ही चौकन्ना रहने और आसान पॉइंट न गंवाने के लिए अलर्ट रहने की जरूरत है। सिंधु ने कहा, '15 पॉइंट्स ऐसी चीज है जिस पर हर किसी को जरूर काम करना चाहिए, और हम इतने सालों से 21 पॉइंट्स पर खेल रहे हैं। इसलिए, हमने यह पक्का किया कि हम उस स्कोरिंग के लिए भी ट्रेनिंग और अभ्यास करें। हर किसी के लिए यह अलग होगा, इसलिए शुरू से ही अलर्ट रहना भी जरूरी है। ' उन्होंने आगे कहा, 'यह जरूरी है कि आप शुरू से ही अलर्ट रहें। यह भी जरूरी है कि जब तक आपको पता चले कि आधा गेम खत्म हो गया है, तब तक आप कोई और आसान पॉइंट न दे सकें।

बर्थडे स्पेशल: विराट कोहली के 38वें जन्मदिन पर जानें उनके शरीर पर बने 13 'टैटू' का राज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली आज 38 साल के हो जाएंगे। क्रिकेट विराट के जीवन का पहला प्यार है। इस खेल में खुद को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए उन्होंने पूर्ण समर्पण के साथ कड़ी मेहनत की है और ये सिलसिला अब भी जारी है। क्रिकेट के अलावा विराट को टैटू बेहद पसंद है।

विराट कोहली टैटू के बहुत बड़े फैन हैं। इसका सबूत उनके शरीर पर बने टैटू की संख्या देती है। विराट ने अपने पूरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों में 13 टैटू बनाए हैं जिनका अलग-अलग अर्थ है।

1. विराट ने अपने बाएं ट्राइसेप 'ओम का निशान' बनवाया है। ये टैटू आध्यात्मिकता और उस यूनिवर्सल आवाज को दिखाता है जो ब्रह्मांड में हमेशा एक जैसी रहती है।
2. कोहली ने अपने बाएं कंधे पर एक मॉनेस्ट्री की तस्वीर बनवाई है। मठ एक इमारत या इमारतों का ग्रुप होता है जहां एक धार्मिक समुदाय, ज्यादातर साधु समाज से दूर रहते हुए साधना करते हैं।
3. पूर्व कप्तान की राशि स्कॉर्पियो है। इस वजह से दाहिने हाथ के ऊपरी हिस्से में उन्होंने स्कॉर्पियो का निशान बनवाया है। स्कॉर्पियो राशि वाले बहुत ज्यादा पैशन, इंटेंसिटी और समर्पण दिखाने के लिए जाने जाते हैं। कोहली में ये सारी खूबियां दिखती हैं।
4. कोहली ने अपने बाएं हाथ पर 269 का टैटू बनवाया है। यह उनका टेस्ट कैप नंबर है।
5. विराट का वनडे कैप नंबर 175 है। उन्होंने अपने बाएं हाथ पर इस नंबर का भी टैटू बनवाया है।
6. 'किंग' के नाम से मशहूर कोहली ने अपने बाएं हाथ पर पिता प्रेम कोहली और माता सरोज कोहली के नाम का टैटू बनवाया है।
7. कोहली के बाएं ऊपरी हाथ पर एक खास जापानी समुराई टैटू है, जो पारंपरिक बुशिडो कोड ऑफ डिसिप्लिन और ऑनर से प्रेरित है। विराट खुद ताकत, अनुशासन और आत्मनियंत्रण की मिसाल हैं, ये गुण समुराई टैटू डिजाइन से जुड़े हैं।
8. विराट के बाएं कंधे पर जापानी समुराई टैटू के ठीक ऊपर एक दिव्य आंख का टैटू भी है। 'गॉड्स आई' टैटू उनके इस विश्वास को दिखाता है कि उनके हर काम पर नजर रखी जा रही है। इससे वह अपने फैसलों के लिए जिम्मेदार रहते हैं।
9. पियोनी टैटू विराट कोहली के बाएं कंधे पर बने आर्टवर्क का हिस्सा है। इस फूल का एशिया में, खासकर चीनी परंपरा में, बहुत गहरा सांस्कृतिक महत्व है, जहां इसे अक्सर धन, खुशहाली, सम्मान और ऊंचे सामाजिक स्तर से जोड़ा जाता है।
10. विराट के दाएं फोरआर्म पर मेटाट्रॉन क्यूब, एक क्यूबिक पैटर्न और आध्यात्मिक सिंबल का एक रूप है।
11. कोहली के बाएं हाथ पर कैलाश पर्वत पर ध्यान करते हुए भगवान शिव की एक तस्वीर है। उसके बैकग्राउंड में मानसरोवर झील है। टैटू विराट के आध्यात्मिक जुड़ाव को दिखाता है।
12. आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले कोहली ने अपने बाएं हाथ पर पूरी आस्तीन का 'लोटस' टैटू बनवाया था। यह उनकी जीवन यात्रा को प्रदर्शित करता है।
13. कोहली ने अपने बाएं हाथ पर एक नया टैटू बनवाया है। इसमें एक गोल डिजाइन है जो एक बीच के पॉइंट से निकलती हुई कई घुमावदार लाइनों से बना है। इसमें पानी में एक बूंद गिरने के बाद पानी की सतह पर लहर जैसा प्रभाव दिखता है। यह डिजाइन दिखाता है कि कैसे एक छोटी सी घटना या किसी व्यक्ति के काम बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं।

विराट का जन्म 5 नवंबर 1988 को दिल्ली में हुआ था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 18 अगस्त 2008 को श्रीलंका के खिलाफ वनडे से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था।

टेस्ट और टी20 संन्यास ले चुके विराट का अगला लक्ष्य वनडे विश्व कप 2027 में भारत को चैंपियन बनाना है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को हो रहे पहले वनडे से पहले विराट ने अपने करियर में 317 वनडे में 55 शतक और 79 अर्धशतक की बदौलत 15,109 रन बनाए हैं। वहीं, 123 टेस्ट में 30 शतक की बदौलत 9,230 रन और 125 टी20 में 1 शतक और 38 अर्धशतक की बदौलत उनके नाम 4,188 रन दर्ज हैं।

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया

कोहली की धमाकेदार बल्लेबाजी; अर्शदीप की घातक गेंदबाजी

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला आज ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला गया। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमट गई। हालांकि, टारगेट रिवाइज किया गया और भारत को 32 ओवर में 143 रन बनाने थे। भारत ने यह लक्ष्य 22.5 ओवर में पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

भारत पांच विकेट से जीता

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। भारत को डकवर्थ लुईस नियम के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य मिला था। टीम इंडिया ने यह लक्ष्य 22.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अगला वनडे सात नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमटी थी - टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पारी 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई।



स्कोर और भी कम होता, लेकिन आखिरी में ब्लेयर टिकनर की तूफानी पारी ने कीवियों को 180 के पार पहुंचाया। भारत को न्यूजीलैंड के शीर्षक्रम और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने इतना परेशान नहीं किया, जितना परेशन 11वें नंबर पर आए ब्लेयर टिकनर ने किया। न्यूजीलैंड का स्कोर एक वक्त नौ विकेट पर 146 रन था। इसके बाद टिकनर ने जैकब डफी के साथ 10वें विकेट के लिए 31 गेंद में 39 रन की साझेदारी निभाई। टिकनर 23 गेंद में एक चौका और चार छक्के की मदद से 34 रन की तूफानी पारी खेलकर आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें गुरनूर बराड़ ने विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराया। डफी 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सिर्फ पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। टिम साइफर्ट 43 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 38 रन, डेरिल मिचेल 41 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन और ग्लेन फिलिप्स 51 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा टिकनर और डफी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। विल यंग नौ रन, हेनरी निकोल्स नौ रन, टॉम लाथम तीन रन, कप्तान मिचेल सैंटनर चार रन, नाथन स्मिथ एक रन और काइल जेमीसन एक रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने चार विकेट लिए, जबकि गुरनूर बराड़ को तीन विकेट मिले। अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले।

भारत ने 22.4 ओवर में हासिल किया लक्ष्य - जवाब में भारत की शुरुआत भी खराब रही। रोहित शर्मा खाता खोले बिना आउट हो गए। फिर शुभमन गिल और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। इस बीच मैच को दो बार बारिश के कारण रोकना पड़ा। पहली बार 10.5 ओवर के बाद मैच रोका गया। हालांकि, बारिश रुकी और मैच 40 ओवर का कर दिया गया। संशोधित लक्ष्य 167 रन का किया गया। हालांकि, कुछ गेंदों के बाद फिर बारिश शुरू हो गई और मैच रोकना पड़ा। बारिश जब रुकी तो एक बार फिर लक्ष्य को संशोधित किया गया।

आईपीएल 2027:

13 करोड़ के सनराइजर्स के इस ऑलराउंडर को शामिल करने की तैयारी में चेन्नई?

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के 13 करोड़ रुपये के खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन पर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन सनराइजर्स ने अभी फैसला नहीं लिया है। दूसरी ओर, हार्दिक पांड्या की ट्रेड रेस में पंजाब किंग्स आगे बताई जा रही है। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों की ट्रेडिंग को लेकर हलचल तेज हो गई है। हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस छोड़ने की चर्चाओं के बीच अब चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई की टीम इंग्लैंड के इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ने के विकल्प तलाश रही है। हालांकि,



सनराइजर्स हैदराबाद ने अभी तक इस मामले में कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स लियाम लिविंगस्टोन को अपनी टीम में शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उत्तर भारत की एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी इस खिलाड़ी में दिलचस्पी दिखाई है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 से पहले हुई नीलामी में लिविंगस्टोन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने पूरे सीजन में केवल दो मुकाबले खेले और 15 रन बनाए। खराब फॉर्म के कारण उन्हें बाकी सीजन में प्लेइंग-11 और इम्पैक्ट प्लेयर के विकल्प में भी जगह नहीं मिली।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com